शनिवार, 7 फरवरी, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

वैभव सूर्यवंशी ने फाइनल में बनाया ऐतिहासिक शतक

Page-04

संजय मिश्रा, नीना गुप्ता का रूहानी प्यार और खौफनाक इंतकाम

Page-05

पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव

अमेरिका–ईरान के बीच जंग की आहट!

- अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव परमाणु कार्यक्रम, सैन्य गतिविधियों और प्रतिबंधों के इर्द-गिर्द घूम रहा है।
- संभावित युद्ध से वैश्विक तेल आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता पर गंभीर असर पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया एक बार फिर गंभीर भू-राजनीतिक तनाव के दौर से गुजर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती तल्ख़ बयानबाज़ी, सैन्य गतिविधियों में इज़ाफ़ा और कूटनीतिक संवाद का लगभग ठप हो जाना इस बात के संकेत दे रहे हैं कि हालात किसी भी समय नियंत्रण से बाहर जा सकते हैं। दशकों से चली आ रही दुश्मनी अब ऐसे मोड़ पर खड़ी दिख रही है, जहाँ छोटी-सी चिंगारी भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है।ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय से अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए चिंता का विषय रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि ईरान इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए अपने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता है। इसी मुद्दे पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरानी अर्थव्यवस्था को गहरा झटका दिया है, वहीं तेहरान ने भी क्षेत्र में अपनी सैन्य और रणनीतिक गतिविधियां तेज़ कर दी हैं।दूसरी ओर, अमेरिका पश्चिम एशिया में अपने सैन्य ठिकानों और सहयोगी देशों की सुरक्षा को लेकर सतर्क है। हाल के दिनों में क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई गई है, जिसे ईरान एक आक्रामक कदम के तौर पर देख रहा है। दोनों देशों के बीच सीधे संवाद की कमी और परोक्ष टकराव—जैसे समुद्री मार्गों में तनाव और सहयोगी गुटों के माध्यम से संघर्ष—स्थिति को और जटिल बना रहे हैं।इस संभावित टकराव का असर केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया विश्व का एक प्रमुख ऊर्जा केंद्र है, और किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष से वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में उथल-पुथल मचना तय है, जिसका सीधा असर भारत समेत कई देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। साथ ही, क्षेत्रीय अस्थिरता से शरणार्थी संकट और आतंकवाद जैसी चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं।अंतरराष्ट्रीय समुदाय फिलहाल संयम और कूटनीति की अपील कर रहा है। कई देश चाहते हैं कि दोनों पक्ष बातचीत के ज़रिये समाधान निकालें, क्योंकि युद्ध की कीमत केवल दो देशों को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को चुकानी पड़ सकती है। सवाल यह है कि क्या अमेरिका और ईरान टकराव के रास्ते से पीछे हटेंगे, या इतिहास एक बार फिर खुद को दोहराएगा। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय देशों की सक्रियता भी बढ़ी है, जो किसी मध्यस्थ भूमिका की संभावना तलाश रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हालात जल्द नहीं संभाले गए, तो यह तनाव क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकता है। ऐसे में वैश्विक शक्तियों के लिए संतुलन साधना एक बड़ी कूटनीतिक परीक्षा बन गया है।इसके अलावा, पश्चिम एशिया में मौजूद अन्य क्षेत्रीय शक्तियां भी इस तनाव पर करीबी नज़र बनाए हुए हैं। सऊदी अरब, इज़राइल और खाड़ी देशों की सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि किसी भी टकराव की चपेट में पूरा क्षेत्र आ सकता है। समुद्री व्यापार मार्गों, विशेषकर होर्मुज़ जलडमरूमध्य, पर खतरा बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने की आशंका है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सीमित सैन्य झड़प भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है। ऐसे हालात में कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है, वरना इसके दूरगामी परिणाम दशकों तक दुनिया को झेलने पड़ सकते हैं।

ओमान में उच्च-स्तरीय वार्ता शुरू

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ओमान में उच्च-स्तरीय कूटनीतिक वार्ता शुरू हो गई है। इस बातचीत को पश्चिम एशिया में संभावित टकराव को टालने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। दोनों देशों के प्रतिनिधि परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा और प्रतिबंधों जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक, वार्ता का मुख्य फोकस ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर है, जिसे लेकर लंबे समय से गतिरोध बना हुआ है। अमेरिका चाहता है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन पर सख्त सीमाएं स्वीकार करे, जबकि ईरान का कहना है कि उसका कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह अपने संप्रभु अधिकारों से समझौता नहीं करेगा। इसके साथ ही, आर्थिक प्रतिबंधों में राहत ईरान की प्रमुख मांगों में शामिल है।ओमान लंबे समय से अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाता रहा है। इस बार भी मस्कट में हो रही बातचीत को गोपनीय रखा गया है ताकि दोनों पक्ष बिना दबाव के अपनी बात रख सकें। कूटनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि इस दौर की वार्ता में कोई ठोस प्रगति होती है, तो इससे क्षेत्रीय तनाव में कमी आ सकती है।

घूसखोर पंडित' वेब सीरीज़ :

समाजसेवी और लीगल एजुकेशन सोसाइटी के संचालक मुनेश कुमार शुक्ला ने थाना बिहार में प्रार्थना पत्र देकर की FIR दर्ज करने की मांग

हाल ही में रिलीज़ हुई वेब सीरीज़ 'घूसखोर पंडित' को लेकर विवाद तेज हो गया है। समाजसेवी और लीगल एजुकेशन सोसाइटी के संचालक मुनेश कुमार शुक्ला ने थाना बिहार में प्रार्थना पत्र देकर वेब सीरीज़ के निर्माताओं और संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उनका आरोप है कि सीरीज़ में ब्राह्मण समाज की धार्मिक छवि को आपत्तिजनक ढंग से पेश किया गया है, जिससे समाज की भावनाएं आहत हो रही हैं। मुनेश कुमार शुक्ला का कहना है कि वेब सीरीज़ में "पंडित" शब्द का इस्तेमाल भ्रष्टाचार और घूसखोरी से जोड़कर दिखाया गया है, जो एक पूरे समुदाय की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला है। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि इस मामले में आईटी एक्ट और धार्मिक भावनाएं भड़काने से जुड़ी धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए तथा ओटीटी प्लेटफॉर्म से आपत्तिजनक कंटेंट को तत्काल हटवाया जाए।प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाली सामग्री का प्रभाव समाज पर व्यापक पड़ता है, इसलिए निर्माताओं को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

दिल्ली में 'मौत के गड्ढे' ने ली जान,

सड़क पर गिरकर कमल की दर्दनाक मौत

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर जर्जर सड़कों और प्रशासनिक लापरवाही ने एक युवक की जान ले ली। शहर के एक व्यस्त इलाके में सड़क पर बने गहरे गड्ढे में गिरने से कमल नामक युवक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब कमल रोज़ की तरह अपने काम से लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर पानी भरा होने के कारण गड्ढा दिखाई नहीं दे रहा था और कमल सीधे उसमें जा गिरा।हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत कमल को बाहर निकालने की कोशिश की और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि सिर में गंभीर चोट लगने और समय पर इलाज न मिलने के कारण उसकी जान गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह गड्ढा कई दिनों से सड़क पर मौजूद था और इसकी शिकायत संबंधित विभाग से कई बार की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बारिश के बाद हालात और खराब हो गए, जिससे सड़क पर बने ये गड्ढे 'मौत के जाल' में तब्दील हो गए हैं। घटना के बाद इलाके में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

'मैंने दुनिया के 8 युद्ध खत्म कराए'—ट्रंप :

अमेरिका के पास WWII से 100 गुना ज्यादा घातक हथियार

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति में हलचल मचा देने वाला बयान दिया है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि उनके कार्यकाल के दौरान उन्होंने दुनिया के आठ बड़े युद्धों को खत्म कराने में निर्णायक भूमिका निभाई। ट्रंप ने कहा कि अगर उस समय सही नेतृत्व नहीं होता, तो कई क्षेत्रीय संघर्ष पूर्ण युद्ध में बदल सकते थे, जिससे दुनिया को भारी नुकसान उठाना पड़ता।ट्रंप ने खुद को "शांति स्थापित करने वाला राष्ट्रपति" बताते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में अमेरिका ने किसी नए बड़े युद्ध में प्रवेश नहीं किया। उन्होंने मध्य पूर्व, एशिया और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां हालात बेहद नाजुक थे, लेकिन सख्त कूटनीति और ताकत के संतुलन के जरिए टकराव को रोका गया। ट्रंप का कहना था कि उन्होंने केवल बातचीत ही नहीं की, बल्कि जरूरत पड़ने पर शक्ति प्रदर्शन से भी विरोधियों को पीछे हटने पर मजबूर किया।अपने बयान के दूसरे हिस्से में ट्रंप ने अमेरिका की सैन्य शक्ति को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि आज अमेरिका के पास ऐसे अत्याधुनिक हथियार हैं, जो द्वितीय विश्व युद्ध के समय मौजूद हथियारों की तुलना में सौ गुना ज्यादा घातक हैं। ट्रंप के अनुसार, यह सैन्य क्षमता अमेरिका को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनाती है और दुश्मन देशों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि अमेरिका से टकराने की कीमत बहुत भारी होगी।ट्रंप ने यह भी कहा कि मजबूत सेना ही शांति की सबसे बड़ी गारंटी होती है। उनके मुताबिक, जब कोई देश जानता है कि सामने वाला सैन्य रूप से बेहद शक्तिशाली है, तो वह टकराव से पहले सौ बार सोचता है। ट्रंप ने अपने रक्षा बजट और हथियार आधुनिकीकरण के फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में अमेरिकी सेना को पहले से कहीं ज्यादा मजबूत बनाया गया। हालांकि, ट्रंप के इन दावों पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। उनके समर्थक इसे उनकी कूटनीतिक और रणनीतिक सफलता बता रहे हैं, जबकि आलोचकों का कहना है कि ट्रंप अपने बयानों में अक्सर अतिशयोक्ति करते हैं। विपक्षी नेताओं और कई विशेषज्ञों का तर्क है कि जिन संघर्षों को ट्रंप "खत्म किए गए युद्ध" बता रहे हैं, वे वास्तव में पहले से चल रहे जटिल कूटनीतिक प्रक्रियाओं का नतीजा थे।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप का यह बयान आने वाले समय में उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है। वे खुद को एक ऐसे नेता के रूप में पेश करना चाहते हैं, जिसने न केवल अमेरिका को सैन्य रूप से मजबूत बनाया, बल्कि वैश्विक स्तर पर युद्ध टालने में भी भूमिका निभाई। ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या ताकत के दम पर शांति संभव है, या स्थायी समाधान केवल कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही निकल सकता है।

परीक्षा पे चर्चा 2026: पीएम मोदी

छात्रों को दिया सफलता का मंत्र—खुद पर भरोसा रखें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'मेक इन इंडिया' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पर ज़ोर दिया, साथ ही छात्रों को अपनी पढ़ाई और हॉबीज़ के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने नई दिल्ली में अपने 7, लोक कल्याण मार्ग (LKM) आवास पर 'परीक्षा पे चर्चा' (PPC) के नौवें एडिशन के दौरान छात्रों से बातचीत की।

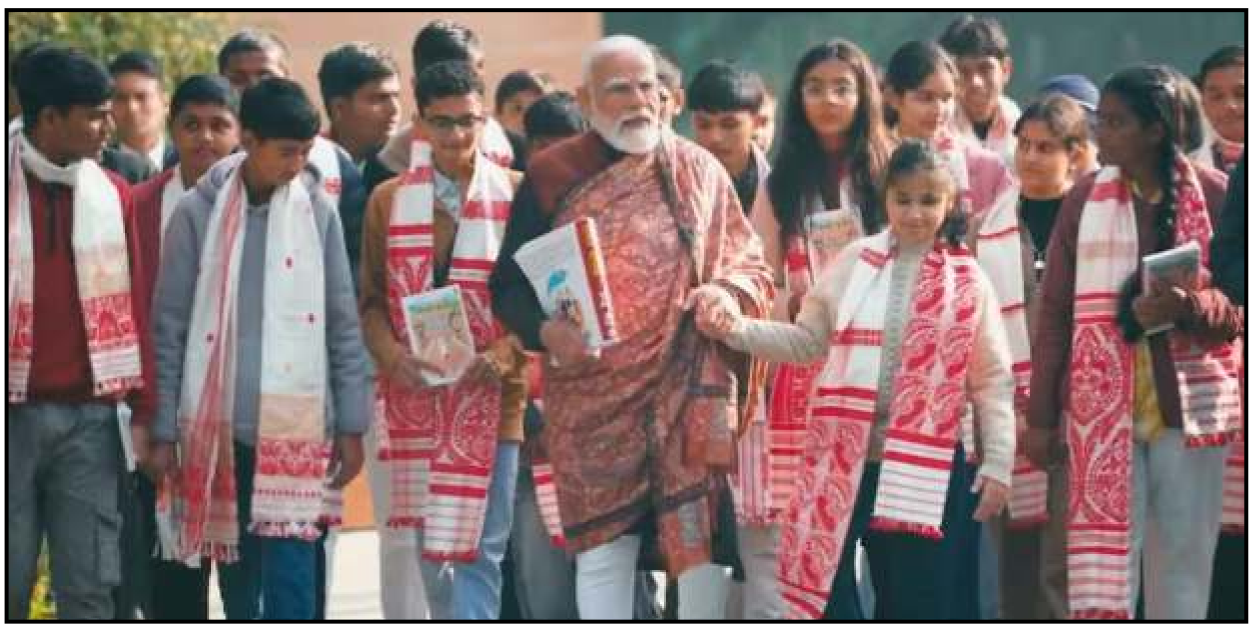

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग (LKM) पर 'परीक्षा पे चर्चा' (PPC) के नौवें संस्करण के दौरान देश भर के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधा संवाद किया। इस बार पीएम का जोर केवल परीक्षा में अंक लाने पर नहीं, बल्कि 'मेक इन इंडिया' की भावना को अपनाने और जीवन के सर्वांगीण विकास पर रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'मेक इन इंडिया' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पर ज़ोर दिया, साथ ही छात्रों को अपनी पढ़ाई और हॉबीज़ के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने नई दिल्ली में अपने 7, लोक कल्याण मार्ग (LKM) आवास पर 'परीक्षा पे चर्चा' (PPC) के नौवें एडिशन के दौरान छात्रों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों को सभी की सलाह सुननी चाहिए, लेकिन उन्हें हमेशा अपने तरीके से काम करना चाहिए और खुद पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भले ही वह प्रधानमंत्री बन गए हैं, फिर भी लोग उन्हें सलाह देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने काम करने के तरीके में कुछ बदलाव किए हैं, लेकिन अपना "मूल तरीका" नहीं छोड़ा है। PM मोदी ने यह भी कहा कि परीक्षा का एकमात्र लक्ष्य सफलता हासिल करना नहीं होना चाहिए और ध्यान सर्वांगीण विकास पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, "आपके माता-पिता, या शिक्षक, या दोस्त कुछ भी कहें, आप सभी सुझावों को ध्यान में रखते हुए अपने तरीके पर विश्वास रखें और उसका पालन करें।" "मैं बीते हुए कल को नहीं देखता, मैं हमेशा आने वाले कल को देखता हूं... कई बार शिक्षक सिर्फ़ वही पढ़ाते हैं जो महत्वपूर्ण होता है और जिससे आपको अच्छे नंबर मिल सकें, लेकिन एक अच्छा शिक्षक सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता है और सब कुछ सिखाता है।" छात्रों के साथ बातचीत के दौरान, PM मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के महत्व पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को AI का इस्तेमाल करना चाहिए, लेकिन यह हमेशा उनके लक्ष्य हासिल करने में मदद नहीं करेगा। जब एक छात्र ने उन्हें बताया कि वह गेम डेवलपर बनना चाहता है, तो PM मोदी ने कहा कि गेमिंग एक स्किल है, लेकिन गेमिंग को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि गेमिंग एक स्किल है और इसका इस्तेमाल सतर्कता जांचने और आत्म-विकास के लिए किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने छात्रों को यह भी सलाह दी कि वे अपना समय बर्बाद न करें क्योंकि भारत में इंटरनेट सस्ता हो गया है, और बताया कि उनकी सरकार ने सट्टेबाजी के खिलाफ कानून बनाया है। उन्होंने कहा, "आपको गेमिंग में दिलचस्पी है, लेकिन सिर्फ़ इसलिए समय बिताने के लिए इसमें शामिल न हों क्योंकि भारत में डेटा सस्ता है। मज़े के लिए ऐसा न करें। जो लोग पैसे के लिए गेमिंग करते हैं, वे बर्बाद हो जाएंगे। हमें देश में जुए को बढ़ावा नहीं देना है। मैंने ऑनलाइन जुए के खिलाफ कानून बनाया है। इस साल परीक्षा पे चर्चा का नौवां एडिशन आयोजित किया गया - जो पहली बार 2018 में हुआ था - जिसे संसद के बाल योगी ऑडिटोरियम में भी दिखाया गया। दिल्ली के अलावा, इसे असम के गुवाहाटी, छत्तीसगढ़ के रायपुर, तमिलनाडु के कोयंबटूर और गुजरात के देव मोगरा में आयोजित किया गया। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस साल परीक्षा पे चर्चा के लिए छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों सहित 4.5 करोड़ लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

Donald Trump का दावा, एक ही दिन में दो बार कहा- मैंने रोका India-Pakistan का परमाणु युद्ध

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपने उस विवादास्पद दावे को हवा दी है जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित सैन्य संघर्ष को रोकने का श्रेय खुद को दिया है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को एक ही दिन में दो अलग-अलग मंचों से यह दावा दोहराया कि उनकी मध्यस्थता के कारण ही दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच युद्ध थमा। वाशिंगटन में आयोजित वार्षिक 'नेशनल प्रेयर ब्रेकफास्ट' को संबोधित करते हुए ट्रंप ने वैश्विक शांतिदूत के रूप में अपनी भूमिका पर जोर दिया। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को 'नेशनल प्रेयर ब्रेकफास्ट' में कहा, ''मैंने एक साल में आठ भयंकर युद्धों को समाप्त कराया जैसे कि कंबोडिया और थाईलैंड के बीच युद्ध, कोसोवो और सर्बिया के बीच युद्ध, पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध, आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच युद्ध।'' बाद में ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर भी एक पोस्ट में इस दावे को फिर दोहराया कि उन्होंने ''भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध'' होने से रुकवाया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, ''अमेरिका विश्व का सबसे शक्तिशाली देश है। मैंने अपने पहले कार्यकाल में इसकी सेना को नए सिरे से पूरी तरह मजबूत किया था...।'' उन्होंने कहा, ''मैंने दुनिया भर के कई देशों- पाकिस्तान और भारत, ईरान और इजराइल तथा रूस और यूक्रेन के बीच परमाणु युद्धों को रोका है।''

अमित शाह ने जम्मू पहुंचते ही सीमा चौकियों का निरीक्षण किया, BSF जवानों को सराहा

शादी का जश्न मातम में बदला, नेपाल में बस हादसे में 8 की मौत, 45 घायल

नेपाल के बैताडी जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। बृहस्पतिवार रात एक शादी समारोह से लौट रहे मेहमानों से भरी बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस भीषण दुर्घटना में कम से कम 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 45 अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना बैताडी जिले के पुरचौड़ी नगरपालिका क्षेत्र से आ रही एक बस के रात आठ बजे पहाड़ी सड़क से 200 मीटर नीचे खाई में गिरने से हुई। पश्चिमी नेपाल के पुरचौड़ी-7 क्षेत्र के बडगाऊ में हुई इस दुर्घटना में सात पुरुषों और एक महिला की मौत हो गई एवं 45 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायल यात्रियों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, हादसे की सही वजह का तुरंत पता नहीं चल पाया। चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर कृष्ण थापा ने बताया कि गुरुवार रात जब हादसा हुआ, तब बस में करीब 60 लोग सवार थे। उन्होंने बताया कि नेपाल आर्मी, नेपाल पुलिस, आर्म्ड पुलिस फोर्स और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। सड़कों पर गाड़ियों की संख्या बढ़ने और पूरे देश में सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होने के साथ, नेपाल में भी हाल के सालों में सड़क हादसों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। नेपाल में वर्ल्ड बैंक की एक स्टडी से पता चला है कि 2007 से सड़क हादसों से होने वाले नुकसान की आर्थिक लागत तीन गुना बढ़ गई है और यह ग्रॉस नेशनल प्रोडक्ट के 1.5 प्रतिशत के बराबर है। सड़क हादसों का गरीबों पर भी विनाशकारी और असमान असर पड़ता है। वर्ल्ड बैंक ने कहा कि नेपाल में सड़क हादसों में मरने वालों में 70 प्रतिशत से ज़्यादा लोग पैदल चलने वाले, साइकिल चलाने वाले और मोटरसाइकिल चलाने वाले जैसे कमजोर सड़क उपयोगकर्ता होते हैं। हादसे से होने वाली आय का नुकसान और मेडिकल खर्च परिवारों को गहरी गरीबी में धकेल सकता है।

Pakistan की क्रूरता का होगा पर्दाफाश! बलूच नेता ने International Community को 'ग्राउंड जीरो' पर बुलाया

बलूच नेता मीर यार बलूच ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों, यूरोपीय संसद के सदस्यों, मानवाधिकार संगठनों, ओआईसी सदस्य देशों, अंतरराष्ट्रीय समुदाय, वैश्विक मीडिया और मानवाधिकार रक्षकों को बलूचिस्तान आने का निमंत्रण दिया ताकि वे उन जमीनी हकीकतों को देख सकें जिन्हें पाकिस्तान और उसकी सेना कथित तौर पर छिपा रही है। मीडिया प्लेटफॉर्म X पर साझा किए गए अपने पोस्ट में मीर यार बलूच ने कहा कि बलूचिस्तान गणराज्य इस क्षेत्र का दौरा करने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय मेहमानों और गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी लेगा। उन्होंने दावा किया कि बलूच प्रतिनिधियों, स्थानीय अधिकारियों और जनता के सहयोग से, आने वाले प्रतिनिधिमंडलों को बलूचिस्तान के सभी हिस्सों में यात्रा करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। पोस्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों को बलूचिस्तान में कथित सामूहिक कब्रों पर भी ले जाया जाएगा, जहां डीएनए नमूने एकत्र किए जा सकते हैं और दशकों से लापता व्यक्तियों के परिवारों से उनका मिलान किया जा सकता है। मीर यार बलूच ने आरोप लगाया कि इन व्यक्तियों को पिछले आठ दशकों से पाकिस्तानी सेना द्वारा जबरन हिरासत में लिया गया था और कहा कि ऐसे कदम पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने में मदद करेंगे। पोस्ट में आगे दावा किया गया कि आने वाले प्रतिनिधिमंडलों को डेरा बुगती और सुई में गैस क्षेत्र, सैंदक और रेको दीक में सोने की खदानें और मच, हरनाई और चामलिंग में कोयले की खदानें दिखाई जाएंगी, ताकि वे स्थानीय बलूच लोगों के शोषण को देख सकें। उन्होंने कहा कि इन यात्राओं से अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बलूचिस्तान पर कब्जे को देखने और बलूच स्वतंत्रता के लिए समर्थन की अभिव्यक्तियों को दर्ज करने का अवसर मिलेगा। मीर यार बलूच ने जोर देकर कहा कि निमंत्रण स्वीकार करने से पाकिस्तान के राजनयिक कथनों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय में उत्पन्न संदेह और गलतफहमियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

ब्रिटेन की राजनीति में हलचल, Jeffrey Epstein केस से PM Keir Starmer की कुर्सी पर संकट

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से कभी नहीं मिले, लेकिन दुनियाभर की नामचीन हस्तियों से एप्स्टीन के संबंध सार्वजनिक होने के बाद स्टार्मर की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है। ब्रिटेन के पूर्व राजकुमार एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर और अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत रहे पीटर मैंडलसन पर पहले ही एप्स्टीन से दोस्ती की गाज गिर चुकी है।

स्टार्मर ने एप्स्टीन से दोस्ती की बात सामने आने के बाद मैंडलसन को पद से हटा दिया था। अब नए खुलासे होने के बाद स्टार्मर की मध्यमार्गी-वामपंथी सरकार पर भी खतरा मंडरा रहा है। स्टार्मर साल 2024 में एप्स्टीन से संबंध होने के बावजूद लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता मैंडलसन की नियुक्ति के अपने फैसले को लेकर सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के अंदर बढ़ते दबाव का सामना कर रहे हैं। हाल ही में जारी हुए दस्तावेजों में दोनों के करीबी संबंध होने की बात सामने आने के बाद ब्रिटेन की राजनीति में तहलका मच गया। स्टार्मर ने एप्स्टीन के अपराधों के शिकार हुए लोगों से बृहस्पतिवार को माफी मांगते हुए कहा कि मैंडलसन ने लगातार झूठ बोला और यह दिखाया कि वह एप्स्टीन को नहीं जानते। स्टार्मर ने पीड़ितों से कहा, "आपके साथ जो हुआ, मैं उसके लिए माफी मांगता हूं। इस बात के लिए माफी मांगता हूं कि ताकतवर लोगों ने आपका उत्पीड़न किया। मैंडलसन के झूठ पर यकीन करने और उन्हें नियुक्त करने के लिए माफी मांगता हूं। इस बात के लिए माफी मांगता हूं कि आपको यह सबकुछ फिर से सार्वजनिक होते हुए देखना पड़ रहा है।" राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस प्रकरण को लेकर स्टार्मर को प्रधानमंत्री पद से हटना पड़ सकता है। लेबर पार्टी की सांसद पाउला बार्कर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह दिखा दिया है कि उनका निर्णय संदिग्ध था। उन्होंने बीबीसी से कहा, मुझे लगता है कि उन्हें जवाब देना होगा। मुझे लगता है कि उन्हें आत्मविश्वास और जनता के बीच विश्वास फिर से कायम करने लिए बहुत लंबा रास्ता तय करना होगा। उन्हें हमारी पार्टी में भी विश्वास और आत्मविश्वास फिर से कायम करना होगा।

संपादक की कलम से

आतंकी हमलों के बाद अक्सर चर्चा सुरक्षा चूक, खुफिया नाकामी या सीमा पार साजिशों तक सीमित रह जाती है, लेकिन एक सवाल बार-बार अनदेखा कर दिया जाता है—आखिर आतंकवाद के लिए मानव बम तैयार कैसे होते हैं? बंदूक थामने वाला हाथ अक्सर किसी युवा का होता है, जिसके सपनों, गुस्से और असंतोष का इस्तेमाल कर उसे हिंसा के रास्ते पर धकेल दिया जाता है। आतंकवाद की सबसे खतरनाक सच्चाई यही है कि यह युवाओं की सोच को ज़हर देकर अपनी फैक्ट्री तैयार करता है।आज का आतंकवाद सिर्फ जंगलों या सीमावर्ती इलाकों में नहीं पनपता, बल्कि मोबाइल स्क्रीन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और एन्क्रिप्टेड चैट्स के ज़रिये युवाओं के दिमाग में घर कर रहा है। यह एक साइलेंट प्रोसेस है, जो बिना शोर किए समाज की जड़ों को खोखला करता है।अधिकांश युवा जो आतंकवादी संगठनों के जाल में फंसते हैं, वे जन्म से अपराधी नहीं होते। बेरोज़गारी, सामाजिक भेदभाव, पहचान का संकट, राजनीतिक हताशा और निजी असफलताएं—ये सभी कारक उन्हें मानसिक रूप से अस्थिर बनाते हैं। आतंकी संगठन इसी कमजोर मानसिक अवस्था का फायदा उठाते हैं।वे युवाओं को यह विश्वास दिलाते हैं कि उनकी परेशानियों की जड़ कोई एक समुदाय, सरकार या देश है। झूठे वीडियो, तोड़े-मरोड़े गए इतिहास और भावनात्मक भाषणों के ज़रिये नफरत को "न्याय" का नाम दे दिया जाता है। धीरे-धीरे युवा यह मानने लगता है कि हिंसा ही समाधान है।आधुनिक आतंकवाद का सबसे खतरनाक हथियार अब AK-47 नहीं, बल्कि स्मार्टफोन है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद कट्टरपंथी कंटेंट, फेक न्यूज़ और प्रोपेगेंडा वीडियो युवाओं को तेजी से प्रभावित करते हैं। एल्गोरिदम आधारित प्लेटफॉर्म एक बार किसी यूज़र को कट्टर कंटेंट दिखाना शुरू कर दें, तो वह उसी विचारधारा के "इको चैंबर" में फंस जाता है।आतंकी संगठन अब भर्ती के लिए मदरसों या ट्रेनिंग कैंपों पर निर्भर नहीं हैं। वे ऑनलाइन "मेंटॉरशिप" देते हैं, युवाओं से दोस्ती करते हैं, उनकी समस्याएं सुनते हैं और फिर धीरे-धीरे उन्हें हिंसा के लिए मानसिक रूप से तैयार करते हैं। यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म होती है कि परिवार को तब तक भनक नहीं लगती, जब तक बहुत देर न हो जाए।यह भी आत्ममंथन का विषय है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था युवाओं को आलोचनात्मक सोच सिखा पा रही है? जब युवा तथ्यों की जांच करने की बजाय भावनात्मक नारों पर भरोसा करने लगते हैं, तो वे आसानी से कट्टरपंथ का शिकार बन जाते हैं।साथ ही, समाज का वह तबका जो खुद को हाशिये पर महसूस करता है, वहां कट्टर विचारधाराएं तेजी से पनपती हैं। अगर युवाओं को समान अवसर, न्याय और सुनवाई नहीं मिलती, तो वे वैकल्पिक पहचान की तलाश में खतरनाक रास्तों की ओर मुड़ सकते हैं।आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में परिवार और समुदाय की भूमिका सबसे अहम लेकिन सबसे उपेक्षित है। माता-पिता, शिक्षक और स्थानीय नेता अगर युवाओं के व्यवहार में बदलाव, अत्यधिक गुस्सा या अलगाव को समय रहते पहचान लें, तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।

पंजाब में AAP नेता की गोली मारकर हत्या

जालंधर में गुरुद्वारे के बाहर हमला, सिर-सीने में 6 गोलियां मारीं

पंजाब के जालंधर में AAP नेता लक्की ओबरॉय को गुरुद्वारे से लौटते समय दो बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। 53 वर्षीय ओबरॉय की 6 गोलियों से मौत हुई। पुलिस ने टारगेट किलिंग की आशंका जताई, गैंगस्टर जोगा फोलड़ीवाल ने जिम्मेदारी ली। जांच और सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है।

पंजाब के जालंधर में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता सतिंदर पाल सिंह जोगी उर्फ लक्की ओबरॉय की 6 फरवरी की सुबह सरेआम गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। वे 53 साल के थे। स्कूटी पर आए दो युवकों ने उन्हें 6 गोलियां मारीं। इनमें से 5 गोलियां ओबरॉय के सीने और एक सिर में लगी। लक्की ओबरॉय जालंधर के पॉश एरिया, मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारे में माथा टेकने आए थे। जैसे ही वे गुरुद्वारे से निकलकर अपनी थार गाड़ी में बैठने लगे तो बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियां चलते हुए का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

ओबरॉय का परिवार उन्हें गंभीर हालत में मॉडल टाउन के प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचा। वहां डॉक्टरों के मृत घोषित कर देने पर परिवार को भरोसा नहीं हुआ और ओबरॉय को श्रीराम अस्पताल ले जाया गया। हालांकि वहां भी उन्हें मृत बताया गया। ओबरॉय आम आदमी पार्टी से जालंधर कैंट में वार्ड-35 के हलका इंचार्ज थे। उनका 11 दिन पहले ही बर्थडे था। जालंधर पुलिस कमिश्नरेट के एडीसीपी जयंत पुरी ने बताया कि घटना के बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया। हमलावरों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस को इसमें टारगेट किलिंग का शक है। गैंगस्टर जोगा फोलड़ीवाल ने ओबरॉय के मर्डर की जिम्मेदारी ली है। उसने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी- यह हमारे भाईयों को नुकसान पहुंचा रहा था। उसका जवाब आज हमने दे दिया है। खालसा कॉलेज की प्रधानगी को लेकर यह सब कुछ हुआ है। पुलिस के मुताबिक, लक्की ओबरॉय सुबह 7:15 बजे मॉडल टाउन के गुरुद्वारे में माथा टेकने आए। उनका यहां आना डेली रूटीन था। गुरुद्वारे में माथा टेकने के बाद वह बाहर निकले और घर जाने के लिए अपनी थार गाड़ी में बैठ गए। ठीक उसी समय स्कूटी पर सवार दो युवक वहां पहुंचे और ओबरॉय की गाड़ी पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। हमले की टाइमिंग देखकर साफ है कि बदमाश उनके गुरुद्वारे से बाहर आने का ही इंतजार कर रहे थे। गोलियां लगने से थार गाड़ी के शीशे चकनाचूर हो गए। इसके बाद हमलावरों ने सीधे लक्की ओबरॉय के सीने और चेहरे पर गोलियां मारीं। लक्की ओबरॉय के गंभीर रूप से घायल होकर सीट पर लुढ़कते ही हमलावर स्कूटी पर वहां से फरार हो गए। यह सबकुछ इतनी जल्दी हुआ कि एकबारगी तो वहां खड़े लोगों को कुछ समझ ही नहीं आया। हमलावरों को फरार होते देखकर लोग ओबरॉय की मदद के लिए दौड़े। गोलियां लगने के बाद लक्की ओबरॉय को उनका परिवार श्रीराम अस्पताल लेकर पहुंचा था। इस अस्पताल के डॉक्टर विशाल ने बताया कि लक्की ओबरॉय को घायल हालत में लाया गया था। उन्हें टारगेट कर 8 से 9 फायर किए गए। इनमें 5 से 6 गोलियां उनके सीने में और एक गोली चेहरे पर लगी। उनकी हालत काफी गंभीर थी। अस्पताल लाए जाने के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखकर ट्रीटमेंट शुरू किया गया लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। ADCP जयंत पुरी ने बताया कि वारदात के बाद हमलावर भाग निकले। सभी नाकों पर तुरंत उनकी सूचना दे दी गई। इसके साथ ही गुरुद्वारे के सीसीटीवी और रोड पर लगे पुलिस के हाईटेक कैमरों की फुटेज निकलवाई जा रही है। वहीं ADCP हरिंदर सिंह गिल ने बताया कि दोनों हमलावर मुंह ढंके हुए थे। डेडबॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया है। इस मर्डर को ट्रेस करने के लिए तीन टीमें लगाई गई हैं। एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया के तहत परिवार के बयान लिए जा चुके हैं। जालंधर में अकाली दल के काउंसलर कुलदीप ओबरॉय ने कहा कि यह घटना सरकारों के लिए बहुत बुरी है। टिकट देकर विधानसभा में गुंडे भर्ती कर लिए हैं जिसका नतीजा ये है कि सड़कों पर लोगों को गोलियां मारी जा रही हैं। लक्की ओबरॉय गुरुघर के साथ जुड़े थे और हर रोज माथा टेकने आते थे। उनकी किसी से क्या रंजिश थी? यह तो नहीं जानते लेकिन इतना पता है कि वह धार्मिक प्रवृत्ति के थे। कुलदीप ने कहा कि मेरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रिक्वेस्ट है कि पार्लियामेंट में ऐसा कानून लेकर आएं कि किसी भी गुंडे को चुनाव लड़ने के लिए टिकट न मिल सके। अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने इस घटना के बाद आम आदमी पार्टी और पंजाब सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है और रोज बड़ी आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। औजला ने कहा कि पंजाब को एक मजबूत और जिम्मेदार मुख्यमंत्री की जरूरत है। उन्होंने इस घटना के लिए केंद्र सरकार को भी बराबर का दोषी ठहराया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला।

लोकसभा की कार्यवाही 9 फरवरी तक स्थगित, विपक्ष का Parliament में जोरदार हंगामा

शुक्रवार को केंद्रीय बजट 2026-27 पर आम चर्चा शुरू होते ही विपक्षी सांसदों के जोरदार विरोध के कारण लोकसभा की कार्यवाही बाधित हो गई, जिसके चलते सोमवार (9 फरवरी) को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। संसद के निचले सदन में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जोर-जोर से नारेबाजी शुरू कर दी। सदन अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी नेताओं से बार-बार हंगामा बंद करने का अनुरोध करने के बावजूद जब कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, तो 5 मिनट के भीतर ही विधानसभा को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। हालांकि, दोपहर में जब विधानसभा में चर्चा दोबारा शुरू हुई तो माहौल में कोई बदलाव नहीं आया। विपक्षी नेता नारे लगाते रहे और सरकार की आलोचना करते हुए तख्तियां लहराते रहे। लोकसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे कृष्ण कुमार टेनेट्टी ने बताया कि अध्यक्ष ने कई सांसदों द्वारा प्रस्तुत स्थगन प्रस्तावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने सदन की कार्यवाही प्रारंभ की। भाजपा सांसद जेपी नड्डा सहित सभी केंद्रीय मंत्री संशोधित कार्यसूची में अपने नाम के आगे कागजात रखने के लिए खड़े हुए। कुछ ही देर बाद विपक्षी सांसद जोर-जोर से नारे लगाते और तख्तियां लहराते हुए अध्यक्ष की कुर्सी के पास पहुंच गए। तेनेती के बार-बार अनुरोध के बावजूद विपक्षी सांसदों का विरोध जारी रहा। हंगामे के बीच पीठासीन अधिकारी ने सोमवार (9 फरवरी) को सुबह 11 बजे तक लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करने का आदेश दिया। इस बीच, विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का विरोध किया और इसे "धोखाधड़ी" करार देते हुए एक बैनर लहराया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा भी उनके साथ शामिल हुईं और सांसदों ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए जो उचित समझो वही करो और तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए। यह नारा तब आया जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर कटाक्ष किया और कहा, "जो बहुत समझो वही करो।" एक दिन पहले, कांग्रेस सांसदों सहित विपक्ष ने संसद के चल रहे सत्र के दौरान विरोध प्रदर्शन किया, जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 2020 के चीन गतिरोध पर पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से उद्धृत करने की अनुमति नहीं दी गई, जिसके बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया।

सुप्रीम कोर्ट से PK की जन सूरज को फटकार, हार के बाद लोकप्रियता के लिए कोर्ट न आएं

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने जन सूरज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि चुनाव हारने के बाद उम्मीदवारों को अदालतों का रुख नहीं करना चाहिए। बेंच ने टिप्पणी की कि मतदाताओं द्वारा नकारे गए उम्मीदवारों को लोकप्रियता हासिल करने के लिए न्यायपालिका का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की बेंच ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से संबंधित किशोर की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये तीखी टिप्पणियां कीं। किशोर ने सुप्रीम कोर्ट में आरोप लगाया था कि महिला रोजगार योजना की धनराशि मतदान से ठीक पहले लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की गई थी, जिससे उनके अनुसार चुनाव परिणाम प्रभावित हुए थे। हालांकि, चुनाव आयोग ने उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद किशोर ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। पार्टी द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली तत्कालीन बिहार सरकार ने चुनाव तिथियां तय होने के बाद 10,000 रुपये के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की घोषणा से पहले जानबूझकर "मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना" में अतिरिक्त लाभार्थियों को जोड़ा। पार्टी का दावा है कि यह स्वयं में मतदाताओं को अनुचित रूप से लुभाने और प्रभावित करने के लिए अपनाई गई भ्रष्ट कार्यप्रणाली का स्पष्ट प्रमाण है, ताकि वे सत्ताधारी सरकार के पक्ष में मतदान करें। पार्टी ने आरोप लगाया है कि इस योजना के लिए कानून पारित करने के बजाय बिहार के आकस्मिक निधि का उपयोग करना संविधान के अनुच्छेद 267 का उल्लंघन है। जन सूरज की याचिका में कहा गया है कि यह अत्यंत विनम्रतापूर्वक निवेदन है कि संदर्भित योजना को चुनाव की पूर्व संध्या पर मंत्रिमंडल के निर्णय द्वारा बिना किसी विधायी स्वीकृति के लागू किया गया था और याचिकाकर्ता की जानकारी के अनुसार, इस योजना का बजट बिहार राज्य की आकस्मिक निधि से लिया गया था। अतः, उक्त योजना नियमित बजटीय आवंटन का हिस्सा नहीं थी, बल्कि राज्य की आकस्मिक निधि से ली गई थी, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 267 का उल्लंघन है।

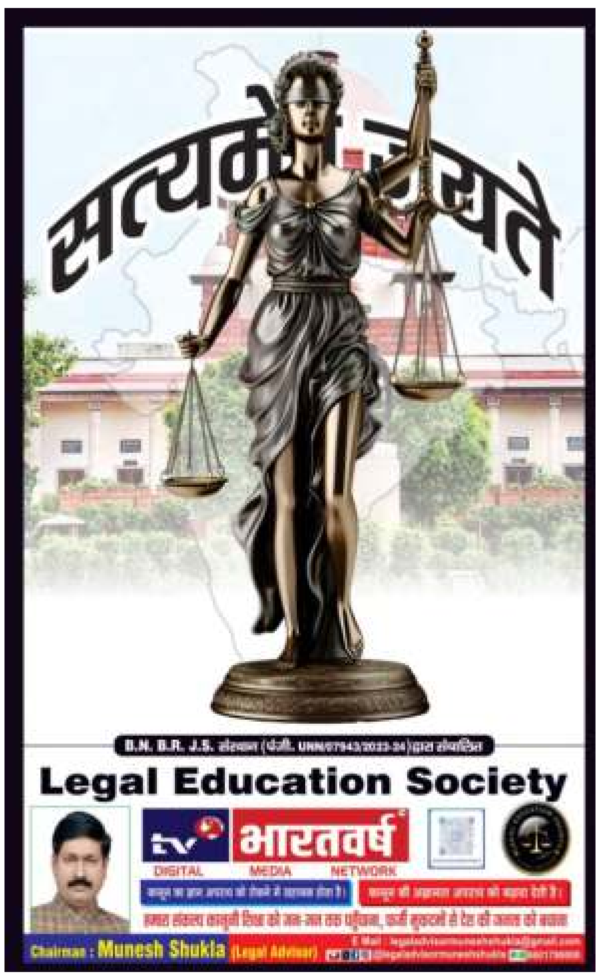

UPSC की गुणवत्ता पर उठे सवाल

CSE 2026 नोटिस में कई त्रुटियां सामने आईं

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने हाल ही में सिविल सेवा परीक्षा (CSE) 2026 का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है, लेकिन नोटिफिकेशन के जारी होते ही आयोग चर्चा में आ गया है। इस बार, चर्चा का केंद्रबिंदु परीक्षा की बजाय नोटिफिकेशन में पाई गई गलतियों को लेकर है। कई अभ्यर्थियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने दावा किया है कि आधिकारिक दस्तावेज में लगभग 40 से अधिक त्रुटियां पाई गई हैं, जिनमें स्पेलिंग, व्याकरण और वाक्य संरचना से संबंधित गलतियां शामिल हैं। इन गलतियों को लेकर सोशल मीडिया पर गहन प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं और कई लोग आयोग की गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं।अभ्यर्थियों का तर्क है कि अगर कोई उम्मीदवार अपनी उत्तर पुस्तिका में इसी प्रकार की गलतियां करता है, तो उसके अंक काटे जा सकते हैं। ऐसे में यह हैरानी की बात है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा आयोग के आधिकारिक दस्तावेज में इतनी संख्या में त्रुटियां मौजूद हैं। कई लोग सोशल मीडिया पर स्क्रीनशॉट साझा कर रहे हैं और आयोग के प्रूफरीडिंग और गुणवत्ता नियंत्रण की समीक्षा पर सवाल उठा रहे हैं।UPSC भारत सरकार की एक संवैधानिक संस्था है, जो देश के प्रशासनिक तंत्र के लिए अधिकारियों का चयन करती है। सिविल सेवा परीक्षा के जरिए चुने गए उम्मीदवार भविष्य में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हैं, जैसे जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, राजनयिक और अन्य प्रशासनिक पद। इस कारण, इस तरह के महत्वपूर्ण दस्तावेज में बुनियादी त्रुटियां आयोग की पेशेवर छवि को प्रभावित कर सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि नोटिफिकेशन में ऐसी गलतियां यह दर्शाती हैं कि बेहतर प्रूफरीडिंग और गुणवत्ता जांच की आवश्यकता है।हालांकि, विवादों के बावजूद सिविल सेवा परीक्षा 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक उम्मीदवार 24 फरवरी 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट upsconline.nic.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस साल, सिविल सेवा परीक्षा में 933 रिक्त पदों के लिए और भारतीय वन सेवा (IFS) परीक्षा में 80 रिक्तियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।हर साल इस परीक्षा में लाखों उम्मीदवार शामिल होते हैं। उदाहरण के लिए, वर्ष 2025 में 10 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। इनमें से 4,161 उम्मीदवार प्रीलिम्स में सफल हुए, 2,736 इंटरव्यू तक पहुंचे और अंततः 979 उम्मीदवारों का चयन हुआ। पिछले वर्षों की तरह, इस बार भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के आवेदन करने की उम्मीद जताई जा रही है।इस विवाद ने UPSC के नोटिफिकेशन और उसकी प्रक्रिया के महत्व को फिर से उजागर किया है। यह दर्शाता है कि भले ही परीक्षा का उद्देश्य प्रशासनिक प्रणाली के लिए योग्य अधिकारियों का चयन करना हो, लेकिन आधिकारिक दस्तावेज में त्रुटियां आयोग की विश्वसनीयता और पेशेवर छवि पर असर डाल सकती हैं। सोशल मीडिया पर अभ्यर्थियों की प्रतिक्रियाएं यह भी दिखाती हैं कि वे किसी भी प्रकार की अनियमितता या त्रुटियों के प्रति सतर्क हैं और सार्वजनिक मंच पर अपनी आवाज उठाने में संकोच नहीं करते।निष्कर्षतः, UPSC सिविल सेवा परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर चुका है, जबकि नोटिफिकेशन में त्रुटियों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। उम्मीदवारों के लिए यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि परीक्षा की तैयारी के लिए आधिकारिक सामग्री और नोटिफिकेशन का सही अध्ययन किया जाए, और त्रुटियों के बावजूद आवेदन प्रक्रिया समय पर पूरी की जाए। इस साल की परीक्षा में लाखों अभ्यर्थियों की भागीदारी उम्मीद की जा रही है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आयोग इन नोटिफिकेशन त्रुटियों के बावजूद अपनी प्रतिष्ठा और विश्वास बनाए रख सकता है।

'कांतारा' फेम ऋषभ शेट्टी ने टीम को दी बधाई, अनुष्का शर्मा खुशी से झूम उठीं

डब्ल्यूपीएल 2026 का यह फाइनल महिला क्रिकेट के लिए यादगार रहा. ये आरसीबी विमेंस का दूसरा डब्ल्यूपीएल खिताब है. इससे पहले वह साल 2024 में भी चैंपियन बनी थीं. मैच में स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वोल की जबरदस्त बल्लेबाजी ने आरसीबी को जीत दिलाई. आरसीबी की इस शानदार जीत पर फिल्म जगत के सितारों ने खुशी जताई और बधाइयां दीं. एक्ट्रेस और भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा ने आरसीबी टीम को बधाई देने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया. उन्होंने टीम की एक तस्वीर के साथ बधाई देते हुए लिखा, 'आरसीबी विमेंस ने ये दोबारा कर दिखाया, इतिहास को दोहरा दिया.' फिल्म निर्माता-निर्देशक और एक्टर ऋषभ शेट्टी ने भी इंस्टाग्राम पर बधाई देते हुए लिखा, 'रेड यूनिफॉर्म पहने क्वीन्स को इस बड़ी जीत पर ढेरों बधाई.' आरसीबी वीमेन की इस जीत ने न सिर्फ महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई दी है, बल्कि फ्रेंचाइजी की मजबूत पहचान को भी और मजबूत किया है. स्मृति मंधाना की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में भी दबाव में नहीं झुकी. जॉर्जिया वोल की आक्रामक बल्लेबाजी और पूरी टीम का संतुलित खेल इस जीत का मुख्य कारण रहा.

इंडिया को बड़ा झटका, हर्षित राणा टी20 वर्ल्ड कप से हुए बाहर

हैरी ब्रूक पर बीयर पीने का विवाद, पूर्व कप्तानों ने जताई नाराजगी

इंग्लैंड के नए सफेद गेंद कप्तान हैरी ब्रूक इन दिनों अपनी बल्लेबाजी से ज्यादा मैदान के बाहर के विवादों को लेकर चर्चा में हैं। यह विवाद पिछले साल के न्यूजीलैंड दौरे से जुड़ा है, जब ब्रूक एक क्लब बाउंसर के साथ हाथापाई में शामिल हुए थे। इस घटना के चलते इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने उन्हें 30,000 पाउंड का जुर्माना भी लगाया था। यह घटना क्रिकेट जगत में काफी सुर्खियां बनी और ब्रूक के व्यक्तिगत अनुशासन पर सवाल खड़े कर दिए।अब इसी मुद्दे पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन और नासिर हुसैन ने ब्रूक की आलोचना की है। उनका कहना है कि एक खिलाड़ी के रूप में इस तरह का व्यवहार अनुचित है और इससे टीम की छवि पर भी असर पड़ता है। विवाद हाल ही में तब और बढ़ गया, जब ब्रूक ने श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में शतक लगाने के बाद जश्न मनाया। इस जश्न के दौरान उन्होंने स्टोन कोल्ड स्टीव ऑस्टिन के अंदाज में बीयर की दो कैन टकराईं।पूर्व कप्तान माइकल एथरटन को यह व्यवहार बिल्कुल रास नहीं आया। उन्होंने कहा कि जब कोई खिलाड़ी किसी गलती के लिए पहले ही सजा भुगत रहा हो, तो ऐसे जश्न का मनाना उचित नहीं है। एथरटन के अनुसार, इस तरह का जश्न यह दर्शाता है कि खिलाड़ी को अपनी गलती का कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पीआर टीम या मैनेजमेंट को दोष देने की बजाय खिलाड़ी को खुद अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए।नासिर हुसैन ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए कहा कि कप्तान के रूप में ब्रूक पर जिम्मेदारी और अधिक है, और उनकी हरकतें टीम और युवा खिलाड़ियों के लिए उदाहरण बनती हैं। इस विवाद ने इंग्लैंड क्रिकेट में अनुशासन और जिम्मेदारी के महत्व को फिर से उजागर किया है।

T20 वर्ल्डकप 2026 में 300 खिलाड़ियों की उम्र का विश्लेषण

टी-20 वर्ल्ड कप शनिवार से शुरू हो रहा है। इनमें 20 टीमों के 300 प्लेयर्स हिस्सा लेंगे। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में हो रहे इस टूर्नामेंट में 48 फीसदी खिलाड़ी 30 साल की उम्र पार कर चुके हैं कनाडा के युवराज समरा इस टूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वे 19 साल, 107 दिन के हैं। वहीं, ओमान के मोहम्मद नदीम सबसे उम्रदराज हैं। उनकी उम्र 43 साल, 117 दिन है। टीमों में अफगानिस्तान और नेपाल की टीमें सबसे युवा हैं, दोनों की औसत आयु 25-25 साल है। जबकि न्यूजीलैंड और USA की टीमें सबसे उम्रदराज हैं। इनमें औसत आयु 31-31 साल है। 75 खिलाड़ियों के इस ग्रुप में सबसे ज्यादा 26 खिलाड़ी 25 से 30 साल के बीच के हैं। सबसे कम 11 खिलाड़ी 35 से 40 साल के हैं। एक प्लेयर ने 40 साल की उम्र पार कर ली है। इस ग्रुप में सबसे उम्रदराज टीम ओमान है, जिसकी औसत उम्र 31 साल है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की औसत उम्र 30 साल है। श्रीलंका की औसत उम्र सबसे कम 27 साल है। यह टूर्नामेंट का सबसे युवा ग्रुप है। इस ग्रुप में शामिल सभी टीमों की औसत उम्र 30 साल से कम है। इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली और स्कॉटलैंड की औसत उम्र 29 साल है। जबकि नेपाल की एवरेज एज 25 साल है। इस ग्रुप के 41 खिलाड़ी 30 साल से कम के हैं। इनमें दो प्लेयर्स 19-19 साल के हैं। 35 से 40 साल के बीच के 31 खिलाड़ी हैं। केवल एक खिलाड़ी 40 साल से ज्यादा का है। इस ग्रुप में 4 टीमों की एवरेज एज 30 साल से कम है। इनमें साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान, U A E और कनाडा शामिल हैं। न्यूजीलैंड ही इकलौती ऐसी टीम है, जिसकी औसत आयु 30 पार है। 31 साल की एवरेज एज वाली न्यूजीलैंड इस टूर्नामेंट की सबसे उम्रदराज टीमों में शामिल हैं।

टी-20 वर्ल्डवैभव सूर्यवंशी का इतिहासिक शतक, फाइनल में अंग्रेजों के खिलाफ तोड़े कई रिकॉर्ड्सकप,

आईसीसी मेन्स अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में 6 फरवरी (शुक्रवार) को वैभव सूर्यवंशी ने बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया. हरारे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में इंग्लैंड के खिलाफ हुए इस खिताबी मुकाबले में वैभव ने सिर्फ 55 गेंदों पर शतक पूरा किया. वैभव ने शतकीय आंकड़े तक पहुंचने के क्रम में 8 चौके और 8 छक्के लगाए. वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी रही और उन्होंने 71 गेंदों पर अपने 150 रन पूरे कर लिए.वैभव ने कुल मिलाकर 80 गेंदों पर 175 रन बनाए, जिसमें 15 छक्के और 15 चौके शामिल रहे. वैभव को मैनी लम्सडेन ने आउट किया. 14 साल के वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज हैं. साथ ही अंडर-19 वर्ल्ड कप के इतिहास का ये दूसरा सबसे तेज शतक रहा. वहीं वैभव सूर्यवंशी ऐसे तीसरे भारतीय हैं जिन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में शतक लगाया. इससे पहले उन्मुक्त चंद और मनजोत कालरा ही ऐसा कर पाए थे. वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले बैटर भी बन चुके हैं. वैभव किसी अंडर-19 वर्ल्ड कप मैच की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर भी हैं. वैभव सूर्यवंशी अब अंडर-19 वर्ल्ड में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. वैभव ने इस टूर्नामेंट में कुल 30 छक्के लगाए. वैभव ने साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर डेवाल्ड ब्रेविस और न्यूजीलैंड के एफिन एलन का रिकॉर्ड तोड़ दिया. ब्रेविस ने 2022 के संस्करण में 18 छक्के लगाए. वहीं एलन ने 2016 और 2018 के संस्करण को मिलाकर कुल 18 छक्के लगाए थे.

लगातार दूसरे दिन टूटा कीमती धातुओं का बाजार, चांदी में तेज गिरावट के साथ सोना भी हुआ सस्ता

लगातार दो दिनों से कीमती धातुओं के बाजार में नरमी देखने को मिल रही है। चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों और खरीदारों को कुछ राहत मिली है। इसके साथ ही सोना भी सस्ता हुआ है, जो बीते कुछ समय से ऊंचे स्तर पर बना हुआ था। बाजारों में आई इस गिरावट ने खास तौर पर उन लोगों का ध्यान खींचा है, जो शादी-विवाह और निवेश के लिए सही मौके का इंतजार कर रहे थे।बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और वैश्विक बाजारों में मुनाफावसूली के कारण सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। इसके अलावा अमेरिका-ईरान तनाव को लेकर फिलहाल कूटनीतिक संकेत मिलने से सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग में थोड़ी कमी आई है, जिसका असर कीमतों पर पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई नरमी का सीधा प्रभाव घरेलू सर्राफा बाजारों में भी देखा जा रहा है।घरेलू स्तर पर मांग में कमी भी कीमतों के गिरने की एक वजह मानी जा रही है। ऊंचे दामों के चलते पिछले कुछ दिनों से खरीदारी सुस्त थी, लेकिन अब कीमतों में आई गिरावट से बाजार में धीरे-धीरे हलचल बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि अगर कीमतें इसी स्तर पर बनी रहती हैं, तो आने वाले दिनों में सोने-चांदी की मांग में इजाफा हो सकता है।विशेषज्ञों का मानना है कि निकट भविष्य में कीमती धातुओं की कीमतें वैश्विक आर्थिक आंकड़ों, ब्याज दरों और भू-राजनीतिक हालात पर निर्भर करेंगी। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे जल्दबाज़ी में फैसला न लें और बाजार की चाल पर नजर बनाए रखें। वहीं, आम उपभोक्ताओं के लिए यह गिरावट खरीदारी का एक बेहतर मौका साबित हो सकती है|

क्या आपका डिजिटल फ्रॉड हुआ है ? जानिए RBI के नए ₹25,000 रिफंड नियम के बारे में

डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन बैंकिंग के बढ़ते इस्तेमाल के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ग्राहकों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रहा है. केंद्रीय बैंक ऐसे फ्रेमवर्क पर काम कर रहा है, जिसके तहत छोटे डिजिटल फ्रॉड में हुए नुकसान पर ग्राहकों को 25,000 तक का मुआवजा मिल सकता है. इसका मकसद बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट सिस्टम में भरोसा बढ़ाना है.आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति संबोधन में बताया कि ग्राहकों की सुरक्षा के लिए जल्द ही ड्राफ्ट गाइडलाइंस जारी की जाएंगी. इनमें अनधिकृत बैंकिंग ट्रांजैक्शन में ग्राहक की जिम्मेदारी सीमित करने, गलत तरीके से प्रोडक्ट बेचने (मिस-सेलिंग) और लोन रिकवरी से जुड़े नियमों को स्पष्ट करने जैसे प्रावधान शामिल होंगे.नई गाइडलाइंस में रिकवरी एजेंट्स के इस्तेमाल और लोन वसूली के तरीकों को भी नियमों के दायरे में लाया जाएगा, ताकि ग्राहकों के साथ किसी तरह की जबरदस्ती या गलत व्यवहार न हो. इसके अलावा डिजिटल पेमेंट को और सुरक्षित बनाने के उपायों पर एक चर्चा पत्र (डिस्कशन पेपर) भी जारी किया जाएगा. ऑनलाइन ट्रांजैक्शन और पीयर-टू-पीयर लेंडिंग के बढ़ते चलन के साथ धोखाधड़ी के मामले भी सामने आ रहे हैं. ऐसे में RBI की यह पहल ग्राहकों को सुरक्षा देने और सिस्टम में पारदर्शिता लाने की दिशा में अहम मानी जा रही है.LenDenClub और Vartis Platforms के को-फाउंडर और CEO भाविन पटेल के मुताबिक, यह कदम फ्रॉड का शिकार हुए ग्राहकों के लिए बड़ा सहारा साबित होगा और इससे लेंडिंग इकोसिस्टम में भरोसा और जवाबदेही बढ़ेगी. उनका कहना है कि सीमित जिम्मेदारी और मुआवजे की व्यवस्था से लोग समय पर शिकायत दर्ज कराएंगे और डर कम होगा.विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के समय में MSME के लिए बिना गारंटी वाले लोन की सीमा बढ़ाना और NBFC से जुड़े नियमों में राहत जैसे फैसले भी RBI के सक्रिय और संतुलित दृष्टिकोण को दिखाते हैं, जहां ग्राहकों और वित्तीय संस्थानों दोनों का ध्यान रखा जा रहा है.

MRF Share में उछाल, दिसंबर तिमाही के नतीजे उम्मीद से बेहतर

टायर निर्माता कंपनी MRF ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर वित्तीय नतीजे पेश किए हैं, जिसका सीधा असर शेयर बाजार में देखने को मिला। कंपनी की मजबूत ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस और बढ़ती कमाई ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। तिमाही के दौरान MRF की आय और मुनाफे में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया, जिसे बेहतर मांग, लागत नियंत्रण और मार्जिन में बढ़ोतरी का परिणाम माना जा रहा है।नतीजों के बाद शेयर में सकारात्मक रुझान देखा गया और निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि कंपनी की मजबूत बैलेंस शीट, स्थिर मांग और बेहतर प्रबंधन रणनीति आने वाले समय में भी MRF के प्रदर्शन को सहारा दे सकती है। हालांकि, कच्चे माल की कीमतों और बाजार की समग्र स्थितियों पर नजर बनाए रखना जरूरी होगा। कुल मिलाकर, दिसंबर तिमाही के नतीजों ने MRF को लेकर बाजार की धारणा को और सकारात्मक बना दिया

रोहिणी ईस्ट स्टेशन पर अंडरवियर वेंडिंग मशीन, वीडियो हुआ वायरल

दिल्ली मेट्रो के रोहिणी ईस्ट स्टेशन पर लगी अंडरवियर बेचने वाली वेंडिंग मशीन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आते ही लोग हैरान रह गए और इस अनोखी पहल पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देने लगे। आमतौर पर मेट्रो स्टेशनों पर पानी, स्नैक्स या टिकट से जुड़ी सुविधाएं देखने को मिलती हैं, लेकिन अंडरवियर की वेंडिंग मशीन लोगों के लिए चौंकाने वाली साबित हुई। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मशीन में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए इनरवियर उपलब्ध हैं, जिन्हें कार्ड या डिजिटल पेमेंट के जरिए खरीदा जा सकता है। कुछ लोग इसे यात्रियों की सुविधा से जोड़कर देख रहे हैं, तो वहीं कई यूजर्स सोशल मीडिया पर इसे लेकर मज़ेदार टिप्पणियां और मीम्स शेयर कर रहे हैं। खासकर रोज़ाना सफर करने वाले यात्रियों का कहना है कि यह सुविधा आपात स्थिति में काम आ सकती है।हालांकि, कुछ लोगों ने मेट्रो स्टेशन जैसी सार्वजनिक जगह पर इस तरह की मशीन लगाए जाने पर सवाल भी उठाए हैं

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता का रूहानी प्यार और खौफनाक इंतकाम

वध 2 एक गंभीर, परिपक्व और प्रभावशाली सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म है, जो पहले भाग की कहानी को आगे बढ़ाते हुए दर्शकों को एक बार फिर अपराध, मानसिक द्वंद्व और नैतिक सवालों की दुनिया में ले जाती है। यह फिल्म सिर्फ एक हत्या की जांच तक सीमित नहीं रहती, बल्कि समाज, रिश्तों और इंसान के भीतर चल रहे संघर्षों को भी परत-दर-परत उजागर करती है। कहानी की शुरुआत ही रहस्यमयी माहौल के साथ होती है, जो धीरे-धीरे गहराता जाता है और दर्शक को अंत तक बांधे रखता है।फिल्म की पटकथा इसकी सबसे बड़ी ताकत है। संवाद सीमित हैं, लेकिन असरदार हैं, और हर दृश्य किसी न किसी संकेत के साथ आगे बढ़ता है। कहानी जल्दबाज़ी में खुलने के बजाय धैर्य से आगे बढ़ती है, जिससे सस्पेंस बना रहता है। कई जगह दर्शक को लगता है कि वह सच्चाई के करीब पहुंच गया है, लेकिन तभी कहानी नया मोड़ ले लेती है। यही अनिश्चितता फिल्म को रोचक बनाती है और इसे एक सामान्य क्राइम थ्रिलर से अलग पहचान देती है।अभिनय के स्तर पर वध 2 बेहद मजबूत नजर आती है। मुख्य कलाकारों ने अपने किरदारों को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाया है। उनके चेहरे के भाव, संवादों की गंभीरता और मानसिक तनाव को दर्शाने का तरीका कहानी को विश्वसनीय बनाता है। सहायक कलाकार भी केवल पृष्ठभूमि में नहीं रहते, बल्कि हर किरदार कहानी की कड़ी के रूप में सामने आता है। खासकर संदिग्ध किरदारों की प्रस्तुति फिल्म के रहस्य को और जटिल बनाती है। निर्देशन सधा हुआ और संतुलित है। निर्देशक ने अनावश्यक ग्लैमर या बनावटी रोमांच से बचते हुए कहानी और माहौल पर पूरा ध्यान दिया है। सिनेमैटोग्राफी फिल्म की आत्मा की तरह काम करती है। छोटे शहर की तंग गलियां, बंद कमरे, सन्नाटा और अंधेरा—सब कुछ मिलकर एक ऐसा वातावरण रचते हैं, जो सस्पेंस को लगातार जीवित रखता है। कैमरे के एंगल और लाइटिंग फिल्म की गंभीरता को और गहराई देते हैं।बैकग्राउंड म्यूज़िक और साउंड डिज़ाइन सीमित लेकिन प्रभावशाली हैं। जहां जरूरत है, वहां संगीत तनाव बढ़ाता है और भावनात्मक दृश्यों में चुप्पी भी अपनी भूमिका निभाती है। हालांकि फिल्म के मध्य भाग में कुछ दृश्य थोड़े लंबे महसूस होते हैं, जिससे गति थोड़ी धीमी पड़ती है, लेकिन यह कमजोरी क्लाइमैक्स तक पहुंचते-पहुंचते काफी हद तक संतुलित हो जाती है।फिल्म का अंत सोचने पर मजबूर करता है। क्लाइमैक्स न सिर्फ कहानी को पूरा करता है, बल्कि दर्शक के मन में कई सवाल भी छोड़ जाता है। कुल मिलाकर वध 2 एक ऐसी थ्रिलर फिल्म है, जो तेज़ मसालेदार मनोरंजन के बजाय मजबूत कहानी, दमदार अभिनय और गहरे भावनात्मक असर पर भरोसा करती है। सस्पेंस और गंभीर सिनेमा पसंद करने वाले दर्शकों के लिए यह फिल्म निश्चित रूप से देखने लायक है।

लखनऊ समेत आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके

गोंडा रहा केंद्र, तीव्रता 3.7

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र गोंडा जिले में रहा और तीव्रता 3.7 मापी गई। झटकों से कुछ देर दहशत रही, लेकिन कहीं भी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली।

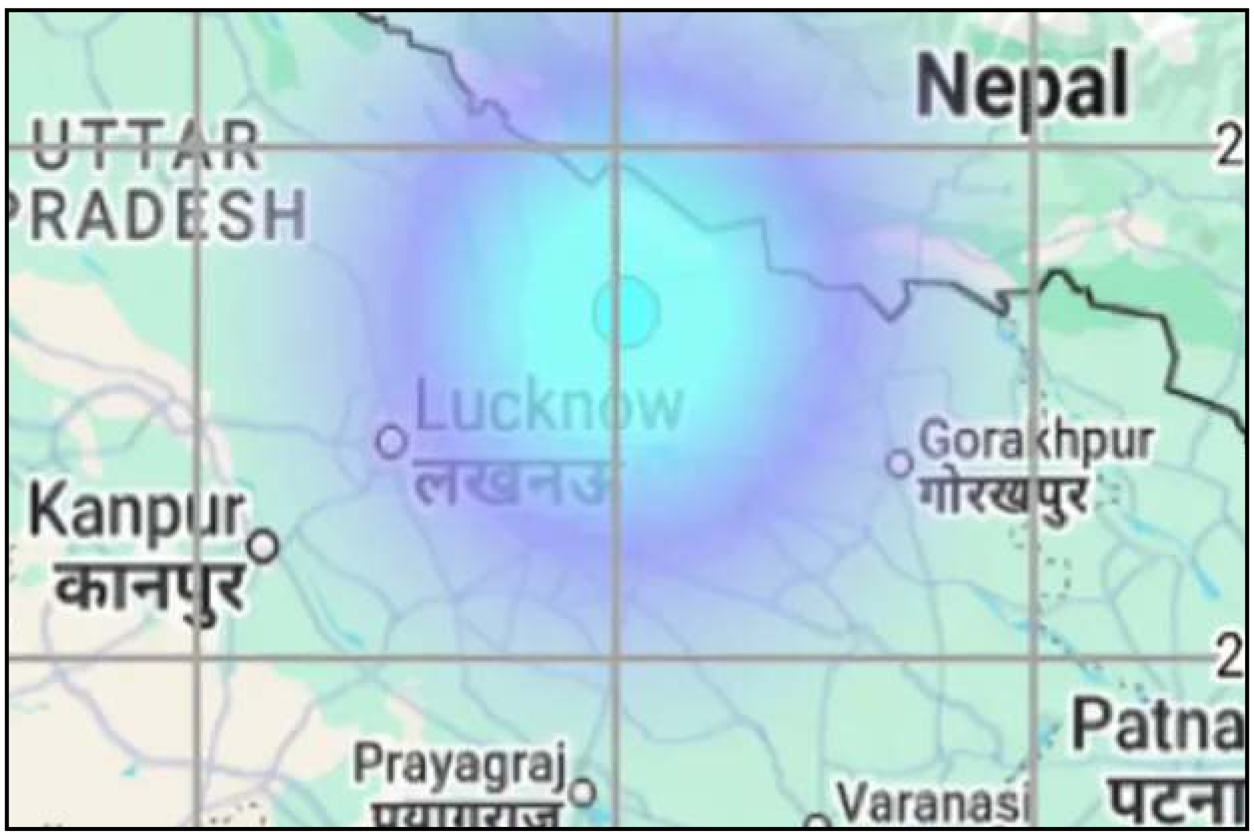

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शुक्रवार की सुबह उस समय अचानक हलचल मच गई, जब लोगों ने भूकंप के हल्के झटके महसूस किए। सुबह की सामान्य दिनचर्या के बीच धरती में आई इस कंपन ने लोगों को कुछ पलों के लिए सहमा दिया। कई इलाकों में लोग डर के मारे अपने घरों, दफ्तरों और अन्य इमारतों से बाहर निकल आए। हालांकि झटके अधिक तेज नहीं थे, लेकिन अचानक आए इस प्राकृतिक घटनाक्रम ने लोगों का ध्यान जरूर खींचा और कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बना दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में स्थित बताया गया है। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई, जिसे विशेषज्ञ सामान्य श्रेणी का भूकंप मानते हैं। यह भूकंप सुबह करीब 7:32 बजे के आसपास आया, जब अधिकांश लोग अपने दैनिक कार्यों की शुरुआत कर रहे थे। उसी दौरान लखनऊ के कई हिस्सों में हल्का कंपन महसूस किया गया, जो कुछ सेकंड तक बना रहा।भूकंप के झटके इतने तेज नहीं थे कि किसी बड़े नुकसान की आशंका पैदा हो, लेकिन अचानक धरती हिलने के कारण लोगों में घबराहट जरूर देखने को मिली। खासकर ऊंची इमारतों में रहने वाले लोगों ने इन झटकों को ज्यादा स्पष्ट रूप से महसूस किया। कई अपार्टमेंट्स और बहुमंजिला इमारतों में रहने वालों ने बताया कि उन्हें फर्नीचर या पंखों में हल्की हरकत महसूस हुई, जिससे वे तुरंत सतर्क हो गए और बाहर निकल आए।जानकारी के मुताबिक, गोंडा जिले में स्थित भूकंप केंद्र से निकलने वाली तरंगों का असर आसपास के जिलों में भी देखा गया। इन तरंगों की पहुंच लखनऊ तक होने के कारण राजधानी में भी हल्का कंपन महसूस किया गया। हालांकि भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण इसका प्रभाव सीमित रहा और किसी प्रकार के गंभीर नुकसान की सूचना नहीं मिली।प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, भूकंप के बाद संबंधित विभागों को अलर्ट कर दिया गया था। जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग ने तुरंत स्थिति की निगरानी शुरू कर दी। विभिन्न इलाकों से मिली रिपोर्ट्स के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि कहीं भी जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है और न ही किसी इमारत के क्षतिग्रस्त होने की पुष्टि हुई है। प्रशासन ने राहत की सांस लेते हुए लोगों से शांत रहने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।भूकंप के झटकों के बाद कुछ समय के लिए लोगों में डर का माहौल बना रहा। कई जगहों पर लोग एक-दूसरे से जानकारी लेते नजर आए और मोबाइल फोन के जरिए हालात के बारे में जानने की कोशिश करते रहे। सोशल मीडिया पर भी भूकंप को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य होने के साथ ही लोगों ने राहत महसूस की।विशेषज्ञों का कहना है कि 3.7 तीव्रता का भूकंप आमतौर पर हल्की श्रेणी में आता है और इससे बड़े पैमाने पर नुकसान की संभावना नहीं होती। इस तरह के भूकंप अक्सर केवल हल्का कंपन पैदा करते हैं, जिसे खासकर शांत वातावरण या ऊंची इमारतों में ज्यादा महसूस किया जाता है। फिर भी विशेषज्ञों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है और कहा है कि भूकंप के दौरान घबराने के बजाय सुरक्षित स्थानों पर जाने और आवश्यक सावधानियां बरतने की जरूरत होती है। फिलहाल लखनऊ और आसपास के इलाकों में हालात पूरी तरह सामान्य हैं। जनजीवन पर भूकंप का कोई खास असर नहीं पड़ा है और लोग अपने रोजमर्रा के कामों में लौट चुके हैं। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की बात कही गई है। भूकंप के इस हल्के झटके ने भले ही कुछ पलों के लिए लोगों को डराया हो, लेकिन किसी बड़े नुकसान के बिना हालात जल्द ही सामान्य हो गए।

गर्दन के ऊपर लगा मांझा, 10 इंच से ज्यादा कटा

लखनऊ में एक पूर्व फौजी को मांझा गर्दन से थोड़ा ऊपर जबड़े और होंठ में लग गया। इससे उनके चेहरे पर 10 इंच लंबा गहरा घाव हो गया। मांझा गर्दन में न लगने से पूर्व फौजी की जान बच गई। 30 टांके लगे हैं। यह दुर्घटना शहीद पथ पर गुरुवार दोपहर हुई। यह मांझे से हुई 24 घंटे में दूसरी दुर्घटना थी। इससे पहले बुधवार को मांझे से पुराने लखनऊ में 2 मासूम बेटियों के पिता की मौत हो गई थी। मांझे से घायल हुए बृजेश राय रिटायर्ड फौजी हैं। वह फिलहाल एक सिक्योरिटी कंपनी में गार्ड के रूप में कार्यरत हैं। गोमतीनगर विस्तार के अर्जुनगंज में दाता रोड सरजूनगर में उनका घर है। वह स्कूटी से गोमतीनगर जा रहे थे। उसी दौरान रास्ते में उनका चेहरा अचानक कट गया। जब तक कुछ समझ पाते तब तक संतुलन बिगड़ गया और वह स्कूटी सहित सड़क पर गिर गए। मालूम हो कि घटना के कुछ घंटे पहले ही सीएम योगी ने आदेश दिया था कि अगर किसी की मौत मांझे से होगी तो इसकी खरीद और इस्तेमाल न रोक पाने वाले जिम्मेदारों पर हत्या का केस लगेगा। सेवानिवृत्त फौजी बृजेश राय सुशांत गोल्फ सिटी स्थित कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में ड्यूटी करते हैं। वह अर्जुनगंज से गोमतीनगर जा रहे थे। शहीद पथ पर चाइनीज मांझे की चपेट में आ गए। मांझे की धार इतनी तेज थी कि उनका जबड़ा और चेहरा कट गया। खून से लथपथ हालत में वह सड़क पर गिर पड़े।

बृजेश के अनुसार, शायद सामने चल रहे ट्रक में मांझा लगा था। वह डिवाइडर पर फंस गया जिससे बृजेश उसके सामने फंस गए। इसके बाद मांझा ने उनके गाल और होंठ को काट दिया। सड़क पर जबरदस्त खून टपकने लगा। वह पहले इकाना हॉस्पिटल पहुंचे। वहां फर्स्ट एड कराकर हॉस्पिटल गए।

सीतापुर रूट से दौड़ेगी काठगोदाम एक्सप्रेस

लखनऊ जंक्शन से काठगोदाम के बीच चलने वाली काठगोदाम एक्सप्रेस को अब सीतापुर रूट से संचालित करने की तैयारी रेलवे विभाग ने शुरू कर दी है। इसके साथ ही यह भी योजना बनाई जा रही है कि डबलडेकर एक्सप्रेस को भी इसी मार्ग पर शिफ्ट किया जाए। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, नए रूट पर इन ट्रेनों के संचालन से यात्रियों को एक वैकल्पिक और अधिक सुविधाजनक मार्ग मिल सकेगा, जिससे उनकी यात्रा और भी आसान हो जाएगी। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि विभिन्न मार्गों पर ट्रेनों के लोड को भी बेहतर ढंग से मैनेज किया जा सकेगा।पूर्वोत्तर रेलवे के ऐशबाग–पीलीभीत रेलखंड पर अमान परिवर्तन और विद्युतीकरण का काम पूरा हो चुका है। इस कार्य के पूरा होने से लखनऊ से दिल्ली के लिए एक अतिरिक्त और आधुनिक रूट उपलब्ध हो गया है। नई तैयारियों के अनुसार, अब ट्रेनें लखनऊ से सीतापुर, लखीमपुर, मैलानी, पीलीभीत और बरेली होते हुए दिल्ली तक यात्रा कर सकेंगी। इस नए मार्ग से यात्रियों को एक ऐसा वैकल्पिक विकल्प मिलेगा, जो वर्तमान मार्गों की तुलना में ज्यादा सुविधाजनक और समय की दृष्टि से लाभदायक होगा।रेलवे सूत्रों के अनुसार, इस पूरे रेलखंड के विकास और सुधार पर लगभग 700 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसमें नई लाइन की मरम्मत, विद्युतीकरण, सिग्नलिंग सिस्टम का आधुनिकीकरण और अन्य बुनियादी ढांचे का उन्नयन शामिल है। यह निवेश यात्रियों की सुविधा, ट्रेन संचालन की दक्षता और भविष्य में यातायात की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए किया गया है।काठगोदाम एक्सप्रेस को नए सीतापुर रूट पर चलाने से पहले फीजिबिलिटी की पूरी तरह से जांच की जाएगी। इस प्रक्रिया में रूट की क्षमता, ट्रेनों का आवागमन, समय-सारिणी का अनुकूलन और यात्री सुरक्षा जैसी कई महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान दिया जाएगा। इसके बाद ही नई समय-सारिणी और शेड्यूल तैयार किया जाएगा, जिसमें लगभग दो से तीन महीने का समय लग सकता है।यदि सब कुछ तय योजना के अनुसार रहा, तो जल्द ही यात्रियों को नए रूट पर ट्रेनों की सुविधा मिलने लगेगी। इससे न केवल यात्रियों को ज्यादा विकल्प मिलेंगे, बल्कि लखनऊ और दिल्ली के बीच रेल यात्रा और अधिक सुविधाजनक और कम समय वाली बन जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नए रूट का संचालन आने वाले समय में दोनों शहरों के बीच यातायात के बोझ को कम करने में मदद करेगा और यात्रियों के लिए एक सहज और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करेगा।इस पूरे प्रयास का उद्देश्य केवल ट्रेनों का मार्ग बदलना नहीं है, बल्कि यात्रियों को समय की बचत, सुविधा और बेहतर यातायात व्यवस्था प्रदान करना भी है। नए रूट पर ट्रेनों का संचालन शुरू होने के बाद लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर, मैलानी, पीलीभीत और बरेली के यात्रियों के लिए रेल यात्रा का अनुभव पहले से कहीं अधिक सुविधाजनक और आरामदायक हो जाएगा।

STF ने कोकीन तस्कर गिरोह का पर्दाफाश, लखनऊ में स्कूली बच्चों तक सप्लाई, ड्रग्स दिल्ली से लाते थे

लखनऊ में एसटीएफ ने स्कूली बच्चों और नाइट क्लबों तक अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ टीम ने चारबाग रेलवे स्टेशन के पास से गिरोह के सदस्यों को पकड़ा है। उनके पास से कोकीन, अफीम, गांजा, ऑर्गेनिक गांजा और एमडी ड्रग्स बरामद हुए हैं। एसटीएफ को लखनऊ के प्रतिष्ठित स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों और पार्टियों में नशीले पदार्थों की सप्लाई की जा रही है। इस पर एसटीएफ की टीम ने जांच शुरू की। उसके बाद यह गिरोह एसटीएफ के हत्थे चढ़ा। पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह ने बताया कि गिरोह के सदस्य दिल्ली से कोकीन, अफीम, गांजा और अन्य मादक पदार्थ लखनऊ लाते थे। इसकी सूचना गुरुवार को एसटीएफ को मिली। सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान महरौली जौनापुर, साउथ दिल्ली निवासी राजकुमार उर्फ चिका, महरौली निवासी राजकुमार, हुसैनगंज निवासी सैय्यद दावर अलवी , रामगढ ताल, गोरखपुर निवासी यश श्रीवास्तव उर्फ उत्तम और नाका हिण्डोला निवासी प्रभजीत सिंह के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि राजकुमार उर्फ चीका और राजकुमार दिल्ली से नशीले पदार्थों की खेप लाते थे, जिसे लखनऊ में यश श्रीवास्तव और प्रभजीत सिंह को बेचा जाता था। यश और प्रभजीत इस कोकीन को शहर के प्रतिष्ठित स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को सप्लाई करते थे। गिरोह के सदस्य बच्चों को डराकर चुप करा देते थे, ताकि कोई शिकायत न हो। छात्रों को आधा-आधा ग्राम की मात्रा में नशा बेचा जाता था, जिससे कोई गंभीर असर न दिखे और शक न हो।

लखनऊ में छात्रों के दो गुटों में बवाल

लखनऊ के पारा में गुरुवार शाम शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय और राजकीय गोविंद बल्लभ पंत पॉलिटेक्निक के छात्रों के गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर हिंसक झड़प हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से मारपीट, तोड़फोड़ और जमकर पथराव किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पथराव में परिसर में खड़े कई दोपहिया और चारपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इस झड़प और पथराव में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। घटना पारा के मोहान रोड की है। शकुंतला मिश्र विश्वविद्यालय के छात्र रैगिंग की शिकायत को लेकर पॉलिटेक्निक परिसर पहुंचे थे। इसी दौरान पहले से एकजुट 40–50 छात्रों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने सर्विस लाइन पर खड़ी तीन बाइकों को घसीटकर परिसर के भीतर ले जाकर तोड़फोड़ की। हिंसा में बी फार्मा तृतीय वर्ष के छात्र गौरव द्विवेदी (20) के सिर में गंभीर चोट आई है और उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। बीकॉम द्वितीय वर्ष के छात्र आदित्य मिश्रा के हाथ में चोट लगी है। वहीं, बीपीओ प्रथम वर्ष के दिव्यांग छात्र हर्षित पांडे पर भी कथित रूप से नाम पूछने के बाद हमला किया गया, जिससे उनके हाथ में चोट आई।

लखनऊ नगर निगम में मुर्दाबाद के नारे लगे

लखनऊ नगर निगम में 6 फरवरी को, संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया है। इस मौके पर सैकड़ों लोग अपनी-अपनी समस्याओं के साथ मुख्यालय पहुंचे, ताकि उनके मुद्दों को सीधे अधिकारियों के सामने रखा जा सके। इस अवसर पर मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार भी मौजूद रहे और उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुनने तथा उनका समाधान निकालने का प्रयास किया।इस दौरान कई लोग विभिन्न प्रकार की शिकायतें लेकर आए। सबसे प्रमुख मुद्दों में से एक अवध विहार कॉलोनी की समस्या रही। इस कॉलोनी के लोगों ने नगर निगम के खिलाफ और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार नाराजगी जताई और 'नगर निगम मुर्दाबाद' तथा 'पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद' जैसे नारे लगाए। उनका कहना था कि कॉलोनी में लगातार पानी भरा हुआ है और नगर निगम उनकी शिकायतों की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। उन्होंने अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की।संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान सड़क निर्माण से जुड़ी समस्याएं लेकर भी कई फरियादी पहुंचे। कुछ लोग अपनी दुकानों के किराये से संबंधित परेशानियों का समाधान चाहते थे। इसके अलावा, हाउस टैक्स से जुड़ी शिकायत लेकर भी एक फरियादी आया। इस फरियादी ने बताया कि वह पहले स्वयं नगर निगम में टैक्स अधिकारी रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिताजी की मृत्यु को लगभग 25 साल बीत चुके हैं, फिर भी नगर निगम अब भी उनके नाम हाउस टैक्स भेज रहा है। यह स्थिति न केवल उनके लिए परेशानी का कारण बन रही है, बल्कि नगर निगम की प्रणाली पर सवाल भी खड़े कर रही है।इस पूरे आयोजन में देखा गया कि लोगों की शिकायतें कई प्रकार की थीं, जिनमें बुनियादी समस्याएं जैसे सड़क निर्माण, जल निकासी और पानी भरना शामिल थीं, साथ ही प्रशासनिक और वित्तीय परेशानियां भी शामिल थीं, जैसे दुकान किराया और हाउस टैक्स की गलतियां। इस तरह के

समाधान दिवस का उद्देश्य यही होता है कि नागरिक सीधे अपने मुद्दे अधिकारियों के सामने रख सकें और उन्हें शीघ्र और प्रभावी समाधान मिल सके।नगर निगम और अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को ध्यान से सुना और कई मामलों में मौके पर समाधान की कोशिश भी की। वहीं, कुछ मामलों के लिए विस्तृत जांच और औपचारिक प्रक्रिया की आवश्यकता बताई गई, जिनके निपटारे में समय लग सकता है।इस संपूर्ण समाधान दिवस से यह स्पष्ट होता है कि नगर निगम लगातार नागरिकों की समस्याओं को सुनने और समाधान करने की दिशा में प्रयासरत है, और ऐसे आयोजन नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करने का एक अहम माध्यम हैं।

योगी आदित्यनाथ का हरिद्वार से बड़ा बयान:

यूपी में न दंगे, न कर्फ्यू; आर्थिक मामलों में बना मिसाल

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को हरिद्वार में आयोजित संत सम्मेलन में शिरकत की और राज्य की प्रगति तथा सामाजिक और आर्थिक स्थिरता पर अपने विचार साझा किए। यह कार्यक्रम सप्त सरोवर रोड स्थित भारत माता मंदिर के पास सप्तऋषि आश्रम मैदान में आयोजित किया गया। सम्मेलन में देश के कई वरिष्ठ नेता, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और बड़े संख्या में संत एवं भक्त उपस्थित थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में बताया कि उत्तर प्रदेश ने हाल के वर्षों में बहुत सुधार किया है। उन्होंने कहा कि अब राज्य में कोई दंगा या कर्फ्यू नहीं है और यह सामाजिक स्थिरता भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आ रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कभी कमजोर माने जाने वाला उत्तर प्रदेश अब देश की अर्थव्यवस्था में अपनी नई पहचान बना रहा है और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की प्रगति केवल आर्थिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब न कर्फ्यू है और न ही दंगे, और प्रशासनिक दृष्टि से सभी चीजें सुव्यवस्थित हैं। उन्होंने संत और भक्तों को यह संदेश दिया कि राज्य की स्थिरता और विकास में सभी की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह स्थिरता न केवल उत्तर प्रदेश के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए प्रेरणादायक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम केवल आध्यात्मिक केंद्र ही नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को शक्ति यहीं से मिलती है और इन केंद्र बिंदुओं का सम्मान और संरक्षण करना हमारे कर्तव्य में शामिल है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश ने इन केंद्र बिंदुओं को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाया है और इसके संरक्षण और प्रगति के प्रयासों के परिणाम स्वरूप राज्य अब आर्थिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से मजबूती की ओर बढ़ रहा है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और आध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि सप्तऋषि क्षेत्र, जो गंगा के पवित्र तट पर स्थित है, राष्ट्र और संस्कृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने बताया कि यहां उपस्थित सभी संत, आध्यात्मिक नेता और भक्त सनातन चेतना के जीवंत प्रतीक हैं, जो अपने जीवन को सेवा, त्याग और राष्ट्रीय कर्तव्य के लिए समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि महान संत केवल तपस्वी नहीं होते, बल्कि वे राष्ट्रीय चेतना से जुड़े दिव्य मार्गदर्शक भी होते हैं।सम्मेलन में जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, शंकराचार्य राजराजेश्वर आश्रम महाराज, योग गुरु बाबा रामदेव, महामंडलेश्वर स्वामी बाल्कनंद महाराज, महामंडलेश्वर विशोखानंद, महंत देवानंद सरस्वती और महंत नारायण गिरि महाराज सहित बड़ी संख्या में संत, जनप्रतिनिधि और भक्त उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री एमएल खट्टर और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के साथ गुरुदेव समाधि मंदिर में मूर्ति स्थापना भी की गई।योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने हाल के वर्षों में न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक स्थिरता के मामले में भी मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि राज्य की

प्रगति का श्रेय वहां के नागरिकों के सहयोग और प्रशासन की सही नीति को जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य की सामाजिक शांति, न कर्फ्यू और न दंगे जैसी उपलब्धियों से यह स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश अब विकास और प्रगति के पथ पर मजबूती से अग्रसर है।मुख्यमंत्री ने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम जैसे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र न केवल धर्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय चेतना और समाजिक शक्ति के केंद्र बिंदु भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य और राष्ट्रीय नेतृत्व ने इन केंद्रों का संरक्षण किया है, जिससे राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत बनी रहे। उन्होंने उपस्थित सभी संतों और भक्तों से अपील की कि वे इस चेतना और सांस्कृतिक ऊर्जा को अपने जीवन और समाज में फैलाएं।कार्यक्रम में उपस्थित अन्य नेताओं ने भी राज्य और राष्ट्र के विकास और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देने के लिए अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि संत और आध्यात्मिक नेता समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और उनकी शिक्षाएं लोगों को नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारियों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गंगा के पवित्र तट पर आयोजित इस प्रकार के सम्मेलनों से राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिलती है।योगी आदित्यनाथ ने सभा को बताया कि उत्तर प्रदेश में अब प्रशासनिक स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा दोनों मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में न कर्फ्यू है, न दंगे हैं, और सभी नागरिक सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण में जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि यह समय है राज्य की प्रगति और राष्ट्रीय चेतना को एक नई दिशा देने का।

26 घंटे लगातार खुला रहेगा बाबा का कपाट, चार पहर होगी विशेष आरती

काशी में महाशिवरात्रि पर इस बार दर्शन के लिए भक्तों को निराश नहीं होना पड़ेगा। काशी विश्वनाथ मंदिर ने शिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की अनुमानित भीड़ को देखते हुए कपाट लगातार खोले रखने का निर्णय लिया है। मंदिर प्रशासन का अनुमान है कि इस बार काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या दस लाख से ज्यादा हो सकती है। इसे देखते हुए मंदिर प्रशासन ने सभी तरह के सुगम दर्शन और वीवीआईपी प्रोटोकॉल वाली व्यवस्था पर रोक लगा दी है। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में शिवभक्तों का सबसे बड़ा दिन महाशिवरात्रि है, जिसका इंतजार भक्त पूरे साल करते हैं। इस बार महाशिवरात्रि 15 फरवरी को पड़ रही है। मंदिर प्रशासन ने फैसला लिया है कि काशी विश्वनाथ का दरबार इस शिवरात्रि पर लगातार 26 घंटे तक खुला रहेगा। 15 फरवरी की सुबह 4 बजे, मंगला आरती के बाद बाबा के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। बाबा के कपाट अगले दिन 16 फरवरी की सुबह 6 बजे तक खुले रहेंगे। श्रद्धालु झांकी दर्शन के साथ बाबा विश्वनाथ को जलार्पण कर सकेंगे। इसके आलावा 14 फरवरी से 17 फरवरी तक स्पर्श और सुगम दर्शन पर रोक लगा दिया गया है। एक और बड़े बदलाव के तहत, श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने महाशिवरात्रि के दिन टिकट लेकर सुगम दर्शन और वीवीआईपी प्रोटोकॉल के तहत होने वाले दर्शन पर रोक लगा दी है। इसका मकसद है कि महाशिवरात्रि पर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन में किसी तरह की परेशानी न हो। इसके साथ ही, इस बार काशी विश्वनाथ की चारों पहर होने वाली आरती भी विशेष रहेगी। मंगला आरती और भोग आरती के बाद इस बार सप्तर्षि आरती, शयन आरती के स्थान पर अलग-अलग चार पहर में विशेष आरती की जाएगी। इतना ही नही, भगवान शिव के जीवन से जुड़ी झांकियां भी मंदिर प्रशासन आम श्रद्धालुओं के लिए प्रदर्शित करेगा। 15 फरवरी की रात आठ घंटे से मंदिर परिसर में ही बाबा के विवाहोत्सव की रस्में निभाई जाएंगी। बाबा का श्रृंगार पूजन होगा।

उन्नाव में निकली भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा

उन्नाव जनपद के गोपीनाथपुरम क्षेत्र में स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर समिति द्वारा भगवान जगन्नाथ की भव्य शोभायात्रा का आयोजन पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन ने क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना दिया, जहां हर ओर भगवान जगन्नाथ के जयकारे और भजनों की गूंज सुनाई दे रही थी। शोभायात्रा की शुरुआत मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ की गई। पूजा संपन्न होने के बाद भगवान जगन्नाथ की सुसज्जित प्रतिमा को रथ पर विराजमान कर यात्रा आरंभ की गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।शोभायात्रा में गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि के बीच भक्त भगवान जगन्नाथ के जयघोष लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। यात्रा मंदिर परिसर से निकलकर राजधानी मार्ग होते हुए श्री दुर्गा मंदिर तक पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखने योग्य था। जगह-जगह स्थानीय लोगों और भक्तों द्वारा पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। कई स्थानों पर श्रद्धालु हाथों में फूल, धूप और अगरबत्ती लेकर भगवान जगन्नाथ की आरती करते नजर आए।शोभायात्रा में महिलाओं की विशेष सहभागिता रही। महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी भजन-कीर्तन करती हुई पूरे उत्साह के साथ यात्रा में शामिल थीं। उनके द्वारा गाए जा रहे भक्ति गीतों से वातावरण और भी अधिक भक्तिमय हो गया। वहीं युवा वर्ग भी आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता दिखाई दिया। युवाओं ने व्यवस्था संभालने, श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देने और अनुशासन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।शोभायात्रा जब श्री दुर्गा मंदिर पहुंची, तो वहां देवी मां की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने देवी मां से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। पूजा संपन्न होने के बाद शोभायात्रा पुनः उसी श्रद्धा और उल्लास के साथ वापस श्री खाटू श्याम मंदिर परिसर की ओर लौटी। मंदिर परिसर पहुंचने पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे की व्यवस्था सुचारू रूप से की गई, जिससे सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद प्राप्त हो सका।इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में श्री खाटू श्याम मंदिर समिति के सदस्यों और स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा। समिति के सदस्यों ने व्यवस्था, स्वच्छता और सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी संभाली, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। श्रद्धालुओं ने भी अनुशासन बनाए रखते हुए आयोजन को सफल बनाया।श्री खाटू श्याम मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने इस अवसर पर जानकारी देते हुए बताया कि निकट भविष्य में मंदिर प्रांगण में भगवान जगन्नाथ स्वामी की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

कानपुर में इंजीनियर से उलझे सपा विधायक, बोले—'तुम पागलमैन हो'

कानपुर में समाजवादी पार्टी के विधायक मो. हसन रूमी का एक विवादित मामला सामने आया है, जहां उन्होंने गुरुवार को पाइपलाइन बिछाने के काम को रुकवा दिया। आरोप है कि विधायक ने मौके पर मौजूद इंजीनियर से तीखी बहस की और कथित तौर पर अपशब्दों का इस्तेमाल किया। यह घटना जाजमऊ क्षेत्र की है, जहां नमामि गंगे योजना के तहत पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा था। जानकारी के अनुसार, जाजमऊ के बीकेडी चौराहे पर WABAG नाम की संस्था के कर्मचारी पाइपलाइन डालने के लिए सड़क की खुदाई कर रहे थे। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों ने सड़क खोदने को लेकर नाराजगी जताई और इसकी सूचना स्थानीय विधायक मो. हसन रूमी को दी। सूचना मिलने के बाद विधायक मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।मौके पर पहुंचने के बाद विधायक ने कंपनी के प्रेसिडेंट इंजीनियर बालाजी को बुलाया और उनसे काम से संबंधित एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) के बारे में सवाल किया। विधायक ने इंजीनियर से पूछा कि उनकी एनओसी की वैधता कब तक है और तत्काल उसे दिखाने के लिए कहा। बताया गया कि इंजीनियर मौके पर एनओसी नहीं दिखा सके, जिससे विधायक नाराज हो गए।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इसके बाद विधायक और इंजीनियर के बीच बहस तेज हो गई। विधायक ने इंजीनियर को फटकार लगाते हुए अंग्रेजी में अपशब्द कहे। उन्होंने कहा कि बिना वैध एनओसी के काम नहीं होने दिया जाएगा। विधायक का कहना था कि समय सीमा समाप्त होने के बाद भी काम कैसे जारी रखा जा सकता है। इसी दौरान विधायक ने मौके पर ही पाइपलाइन बिछाने का काम बंद करवा दिया।विधायक मो. हसन रूमी ने बाद में मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्होंने करीब दो महीने पहले अपनी विधायक निधि से इस सड़क का निर्माण कराया था। सड़क बनने के कुछ ही समय बाद कंपनी द्वारा दोबारा खुदाई शुरू कर दी गई, जिससे आम जनता में भारी नाराजगी है। विधायक का कहना है कि जहां-जहां सड़क खोदी गई है, वहां मरम्मत नहीं कराई गई और सड़क को वैसे ही छोड़ दिया गया, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बन रही है।उन्होंने बताया कि इस मार्ग से दरगाह और मंदिर दोनों ओर श्रद्धालुओं का आना-जाना होता है। सड़क की खराब स्थिति के कारण श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बड़े वाहन, ट्रक और ट्रैक्टर गड्ढों में फंस जा रहे हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। विधायक ने साफ कहा कि जब तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई जाएगी, तब तक काम नहीं होने दिया जाएगा।स्थानीय लोगों ने भी सड़क खुदाई को लेकर नाराजगी जताई है। क्षेत्र निवासी मोहम्मद अमीन ने बताया कि करीब दो साल बाद सड़क बनी थी, जिससे इलाके में कारोबार फिर से पटरी पर आया था। लेकिन दोबारा खुदाई शुरू होने से जाम की समस्या बढ़ गई है और दुकानों पर ग्राहक कम आने लगे हैं। इससे व्यापार पर सीधा असर पड़ रहा है।वहीं, कंपनी की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर शशि मोहन सिंह ने बताया कि यह काम टेनरी के लिए पाइपलाइन डालने से जुड़ा हुआ है और इसे तय समय सीमा में पूरा किया जाना है। उन्होंने कहा कि कंपनी को दो महीने में काम समाप्त करना है। उनके अनुसार, सोमवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह और विधायक मो. हसन रूमी से मौखिक अनुमति भी ली गई थी, इसके बावजूद काम रुकवा दिया गया।प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि फिलहाल विधायक से बातचीत चल रही है और जल्द ही काम को दोबारा शुरू करने का प्रयास किया जाएगा। प्रशासनिक स्तर पर भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।फिलहाल, पाइपलाइन बिछाने का काम रुका हुआ है और क्षेत्र में सड़क खुदाई को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन और कंपनी के बीच समन्वय के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होने की संभावना है।

उन्नाव में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान शुरू

उन्नाव जनपद में फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में, जनपद के चार विकास खंडों - बीघापुर, गंजमुरादाबाद, पुरवा और सुमेरपुर में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत एमडीए/आईडीए (मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन/इंटीग्रेटेड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) अभियान का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 10 फरवरी से 28 फरवरी तक संचालित होगा।कार्यवाहक मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) एच. एन. प्रसाद ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य फाइलेरिया रोग की रोकथाम और इसके स्थायी उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फाइलेरिया एक गंभीर लेकिन रोकथाम योग्य बीमारी है, जो मच्छरों के काटने से फैलती है। समय पर उपचार न मिलने पर यह हाथीपांव जैसी विकृत स्थिति उत्पन्न कर सकती है, इसलिए निर्धारित दवाओं का सेवन अत्यंत आवश्यक है।कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान से पहले ही जनपद में व्यापक जनसंवेदीकरण किया जा रहा है। आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम और स्वास्थ्य स्वयंसेवक गांव-गांव तथा घर-घर जाकर लोगों को फाइलेरिया से बचाव, दवा सेवन की उपयोगिता और इसके लाभों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। साथ ही, यह भी समझाया जा रहा है कि दवाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और चिकित्सकीय देखरेख में दी जाती हैं। सीएमओ एच. एन. प्रसाद ने आम जनता से अपील की है कि वे इस अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दी जाने वाली दवाओं का सेवन अवश्य करें और किसी भी प्रकार की भ्रांति या अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाएं, दो वर्ष से कम आयु के बच्चे और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर अन्य सभी पात्र लोगों को दवा का सेवन कराया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि अभियान के दौरान सभी बूथों और घर-घर भ्रमण करने वाली टीमों को आवश्यक दवाएं, प्रशिक्षण और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए जाएं। अधिकारियों के अनुसार, जनसहयोग से ही फाइलेरिया मुक्त उन्नाव का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। यह अभियान जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें सभी नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है।

1 महीने बढ़ाई गई यूपी में SIR की डेट

अब 6 मार्च तक नाम जुड़वा पाएंगे, फाइनल लिस्ट 10 अप्रैल को आएगी

चुनाव आयोग ने यूपी SIR प्रक्रिया की समय-सीमा बढ़ाकर 6 मार्च कर दी है। मतदाता सूची में त्रुटियों और मैपिंग सुधार के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। फाइनल सूची 10 अप्रैल को जारी होगी। अब तक लाखों नोटिस भेजे गए

चुनाव आयोग ने यूपी SIR प्रक्रिया की समय-सीमा बढ़ा दी है। अब जिन लोगों को दावा या आपत्ति दर्ज करानी है, उन्हें एक महीने का समय और मिलेगा। नई तारीख के मुताबिक, अब लोग अब 6 मार्च तक अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। फाइनल लिस्ट 10 अप्रैल को जारी होगी। इसकी जानकारी यूपी मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने लखनऊ लोक भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी।

राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया- यूपी में SIR 27 अक्टूबर से शुरू हुआ था। मतदाताओं की गिनती का काम 4 नवंबर से 6 जनवरी तक चला। इसके बाद 6 जनवरी से 6 फरवरी तक दावा और आपत्ति दर्ज कराने का समय दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में आवेदन आए। नाम हटाने के लिए (फॉर्म 7) कुल 82,684 आवेदन आए। नाम जोड़ने के लिए (फॉर्म 6) करीब 37 लाख 80 हजार आवेदन आए। जो मतदाता बाहर रह रहे हैं (प्रवासी), वे फॉर्म 6A भर सकते हैं। अब तक 1,076 प्रवासी मतदाताओं ने आवेदन किया है।चुनाव विभाग के मुताबिक, फॉर्म 6 की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे करीब 1 करोड़ 40 लाख मतदाता थे, जिनका नाम ड्राफ्ट लिस्ट में तो था, लेकिन उनकी मैपिंग नहीं हुई थी। वहीं, 2.22 करोड़ लोगों ने मैपिंग कराई थी, लेकिन उसमें कुछ गड़बड़ियां पाई गईं। इन सभी को नोटिस भेजे जा रहे हैं। कुल मिलाकर 3.26 करोड़ मतदाताओं को नोटिस भेजे जाने हैं। अब तक 2.37 करोड़ नोटिस जारी हो चुके हैं, 86 लाख 27 हजार नोटिस लोगों को मिल भी चुके हैं। करीब 30 लाख मामलों की सुनवाई हो चुकी है। ऐसे में दावा–आपत्ति की तारीख 6 फरवरी से बढ़ाकर 6 मार्च कर दी है। यानी अब 6 मार्च तक नाम जुड़वाने, कटवाने या गलती सुधारने के लिए आवेदन किया जा सकता है। SIR की अंतिम मतदाता सूची 10 अप्रैल को जारी होगी। मतदाताओं की मदद के लिए B L O हर कार्यदिवस सुबह 10 से 12 बजे तक बूथ पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा- किसी भी पात्र मतदाता का नाम नहीं काटा जाएगा। हर आपत्ति की जांच होगी। उसके बाद ही निर्णय होगा। बड़ी संख्या में महिलाओं और युवाओं के नाम मतदाता सूची में नहीं है। नवदीप रिणवा ने अपील की कि नाम की स्पेलिंग (हिंदी/इंग्लिश) आधार कार्ड में जैसी हो, वैसा ही फॉर्म में लिखे, जिससे ऑनलाइन संशोधन कभी करना पड़े तो आसानी से घर बैठे हो जाए। SIR का पहला चरण 4 नवंबर, 2025 से शुरू हुआ। इसमें बीएलओ ने घर-घर जाकर फॉर्म बांटे और मतदाताओं से जानकारी इकट्ठा की। पहले यह चरण 4 दिसंबर तक चलना था। लेकिन, विपक्ष की मांग पर पहले इसे 7 दिन बढ़ाया गया, फिर 15 दिन का समय बढ़ाया गया। पहले चरण में 2003 की मतदाता सूची से तुलना की गई और मौजूदा वोटर की उनसे मैपिंग की गई। इसके बाद 6 जनवरी को ड्राफ्ट लिस्ट जारी की गई। 2.89 करोड़ नाम कट गए। इनमें 46.23 लाख मृत, 2.17 करोड़ लोग शिफ्टेड और 25.47 लाख डुप्लीकेट वोटर शामिल हैं। पहले प्रदेश में 15.44 करोड़ वोटर थे, अब 12.55 करोड़ मतदाता बचे हैं। मतलब- हर पांचवां वोटर लिस्ट से बाहर हो गया है। लखनऊ में सबसे ज्यादा 12 लाख, जबकि ललितपुर में सबसे कम 95 हजार लोगों के नाम कटे। अब 6 मार्च तक दावे-आपत्तियां की जाएंगी। इसकी कोई फीस नहीं लगेगी। 10 अप्रैल 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी।

सहारनपुर में महिला की बाथरूम में नहाते-नहाते मौत

यूपी के सहारनपुर में महिला की गीजर से निकलने वाली गैस से मौत हो गई। वह बाथरूम में नहाने गई थी। काफी देर तक बाहर नहीं आईं तो परिजनों को शक हुआ। कई बार आवाज दी। दरवाजा खटखटाने पर भी आहट नहीं हुई। कोई आवाज नहीं आने पर दरवाजा तोड़कर देखा तो वह बेहोश मिली। तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों को अंदेशा है कि गीजर से गैस लीक के बाद दम घुटने से महिला की मौत हुई है। घटना थाना रामपुर मनिहारान क्षेत्र की है। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि पूनम का परिवार बहुत ही सीधा-साधा है। उनका स्वाभाव मिलनसार था। घर-परिवार की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाती थीं। उसकी मौत इतनी जल्दी हो जाएगी, किसी ने ऐसा सोचा भी नहीं था।

रामपुर मनिहारान कस्बे के मोहल्ला कायस्थान निवासी अभय जैन मोहल्ला कायस्थान में रहते हैं। पास में ही किराने की दुकान चलाते हैं। घर पर पत्नी के साथ रहते हैं। 22 साल की बेटी और 20 साल का बेटा नोएडा में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने बताया- उनकी पत्नी पूनम (54) सुबह रोज दुकान पर आती थीं। गुरुवार को जब वह दुकान पर नहीं आईं तो चिंता हुई। कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। घर पहुंचे तो पूनम कहीं दिखाई नहीं दी। कई बार आवाज लगाने के बाद अंदर से कोई आवाज नहीं आई। उन्होंने बताया कि उनकी नजर बाथरूम पर पड़ी। दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़ा तो पूनम बेहोशी की हालत में पड़ी थीं। उन्हें तत्काल बाहर निकाला। गाड़ी से सीएचसी ले गए। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

यूपी में 1 लाख का इनामी रिहान मारा गया, 30 मिनट चली मुठभेड़ में गोलियां चलीं

यूपी के शामली में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने 1 लाख रुपए के इनामी लुटेरे को मुठभेड़ में मार गिराया है। यह मुठभेड़ झिंझाना से कसेरवा जाने वाले मार्ग पर यमुना नहर के पास हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि इलाके में दो बदमाश मौजूद हैं। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी की और रात करीब 12:30 बजे दोनों बदमाशों को चारों तरफ से घेर लिया गया। पुलिस ने बदमाशों को सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन बदमाशों ने सरेंडर करने के बजाय पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। बदमाशों की गोलीबारी में शामली कोतवाली में तैनात सिपाही सुमित बैसला गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस और बदमाशों के बीच करीब 30 से 35 मिनट तक लगातार मुठभेड़ चली। इस दौरान पुलिस ने पूरी सतर्कता के साथ जवाबी फायरिंग की। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश रिहान को गोली लग गई, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। वहीं उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। गोली लगने के बाद पुलिस रिहान को तुरंत अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके से हथियार भी बरामद किए। रिहान के पास से एक मेड इन इटली पिस्तौल और एक देसी पिस्तौल मिली है। मारा गया बदमाश रिहान दिल्ली के जाकिर नगर, न्यू ओखला का रहने वाला था। उस पर करीब 90 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। रिहान लंबे समय से पुलिस से भाग रहा था और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह लूट और अन्य गंभीर अपराधों में शामिल रहा है। पुलिस ने बताया कि फरार हुए बदमाश की तलाश के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घायल सिपाही सुमित बैसला का इलाज जारी है और उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

यूपी में फिर लौटेगी ठंड, 2 दिन तेज हवाएं चलेंगी

यूपी के मौसम एक बार फिर पलटी मारेगा। पहाड़ों पर बर्फबारी से ठंड लौटेगी। तेज हवाएं चलेंगी। दिन में निकली रही तेज धूप में भी ठिठुरन का अहसास होगा। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ों पर 9 फरवरी से फिर से बारिश या बर्फबारी का दौर शुरू हो सकता है। इसका असर मैदानी इलाकों, खासकर यूपी पर पड़ेगा। इस बीच शुक्रवार सुबह 11 जिलों में कोहरा छाया रहा। शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में कोहरा काफी घना रहा। आंस की बूंदें रिमझिम बारिश की तरह महसूस हुईं। सड़कें गीली हो गईं। कई जगह विजिबिलिटी 10-20 मीटर तक सिमट गई। सड़कों पर कुछ भी देखना मुश्किल हो गया। प्रदेश के बाकी जिलों में फिलहाल कोहरे से राहत मिली हुई है, लेकिन पहाड़ों से आ रहीं सर्द हवाओं से सुबह और शाम के वक्त गलन बढ़ा रखी है। दिन में धूप की वजह से ठंड से मिल रही है। पिछले 24 घंटे में हरदोई सबसे ठंडा रहा। पारा 8°C दर्ज किया गया। इससे पहले गुरुवार को लखनऊ, प्रयागराज समेत 15 जिले घने कोहरे की चपेट में रहे। कम विजिबिलिटी की वजह से लखीमपुर-खीरी में तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक से जा घुसी। हादसे में बहराइच के पति, पत्नी और साले की मौत हो गई। दो लोग घायल हो गए। वहीं, उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर घने कोहरे के कारण बस-कारों समेत 10 गाड़ियां टकरा गईं।